जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 359 प्रभात कोटा, बुधवार 12 अक्टूबर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

## गहलोत की विदाई क्यों अटकी हुई है?

### हाई कमान चाहता है, नया अध्यक्ष इस निर्णय का क्रियान्वयन कराये

- प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया के बीच यू.पी. का प्रदेशाध्यक्ष बदला था, इस पर प्रतिक्रिया ठीक नहीं हुई। वरिष्ठ नेताओं का मत था कि, यह निर्णय नये अध्यक्ष पर छोड़ना ज्यादा उचित रहता।
- इसीलिये अब 17 अक्टूबर के बाद नये अध्यक्ष के चुनाव तक, गहलोत का ''फेयरवैल'' स्थगित हो गया है।
- जैसा कि लग रहा है, खड़गे का अध्यक्ष बनना लगभग तय है तथा खड़गे भी पर्यवेक्षक के रूप में जयपुर आये थे तथा उस समय जो ड्रामा हुआ था, उससे क्षुब्ध होकर खड़गे ने तीखी टिप्पणी की थी कि, गत चालीस साल में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष की इतनी बेइज़्ज़ती पहले कभी नहीं देखी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। यह सोनिया गांधी की ओर से एक और तिरस्कार है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनदेखी कर पार्टी के शीर्ष नतृत्व ने उन्हें पार्टी के प्रतिनिधि के रुप में मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए सैफ़ई नहीं भेजा। कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां जो दो व्यक्ति भेजे गए हैं, वे हैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ। यदि विद्रोह से पहले जैसी सामान्य स्थिति होती तो पार्टी के देश में दो मुख्यमंत्रियों में से एक अशोक गहलोत को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए भेजा जाता।

लेकिन अशोक गहलोत पीछे नहीं रहना चाहते। "मैं परवाह नहीं करता" वाला रवैया दर्शाते हुए गहलोत भी सैफ़ई के लिए रवाना हो गए, अपने विधायकों को यह संदेश देने के लिए कि वे अब भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जमे हुए हैं और उन्हें सोनिया गांधी का विश्वास प्राप्त है।

वास्तव में गहलोत का विद्रोह एक ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है कि यहां तक गांधी परिवार का संबंध है, वह अपनी ढपली अलग ही बजा रहे हैं। गौतम अडानी की मेजबानी करने का उनका निर्णय कांग्रेस नेतृत्व को यह बताने का एक सुनियोजित कदम था कि वह उन्हें हटाने की किसी भी स्तर पर कोशिश करके देख ले। यहां तक कि उन्होंने अमित शाह के पुत्र जय. शाह को भी राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। जय शाह के नाम का आमंत्रण गांधी परिवार के लिए यह सबसे बड़ा संकेत था कि वह अब अमित शाह के संरक्षण में हैं और यदि सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री के रूप में थोपने की कोई कोशिश की गई तो वह सरकार गिरा देंगे। सोनिया गांधी अपनी पुत्री प्रियंका के साथ शिमला गई हैं, गांधी परिवार कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव तिथि 17 अक्टूबर की प्रतीक्षा कर रहा है।

सूत्र कहते हैं कि जब प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष के चुनाव के बीच में उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया तब पार्टी में इसकी भारी प्रतिक्रिया हुई थी। कई नेताओं ने सोनिया गांधी को लिखा था कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि नया अध्यक्ष ही इन मुद्दों पर अपना निर्णय लेगा। एक सीनियर नेता ने बताया कि यही कारण रहा होगा जिसकी वजह से अशोक गहलोत का मसला नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद हाथ में लिया जा सकता है।

जब गहलोत का विद्रोह हुआ तब खड़गे राजस्थान में पार्टी के पर्यवेक्षक थे और अब वे पार्टी नए अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। जयपुर से रवाना होने से पूर्व खड़गे ने कहा था कि उन्होंने पिछले 40 वर्षों में कांग्रेस अध्यक्ष का ऐसा अपमान कभी नहीं देखा। खड़गे गहलोत पर निर्णय लेंगे और अजय माकन के साथ एक नया पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा।

जैसी कि इस अखबार द्वारा पहले खबर दी जा चुकी है, अजय माकन एक-एक विधायक से सम्पर्क करने में व्यस्त हैं और राजस्थान में नेतृत्व के मुद्दे पर उनके विचार जान रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि वे किसका समर्थन कर रहे हैं। एक सीनियर नेता ने टिप्पणी की कि "कोई भी नेतृत्व इतनी अनुशासनहीनता और अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। यह एक उदाहरण बन जाएगा, जिससे स्थापित नेता प्रेरित होकर अपने धन-बल और कद के आधार पर विद्रोह करेंगे और कोई भी नेतृत्व ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकता।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गहलोत कितने समय तक अपनी कुर्सी बचाने के जतन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि अशोक गहलोत की राजनीति अब समाप्त हो चुकी है और कम से कम कांग्रेस पार्टी में तो हो ही चुकी है।

## पंकज मित्तल राजस्थान के नए सी.जे.

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- केन्द्र सरकार ने पंकज मित्तल को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया, इसी के साथ जम्मू-कश्मीर के लिए जस्टिस ए.एम. माग्रे और कर्नाटक के लिए जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को चीफ जस्टिस के पद पर नियुक्ति दी।

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने मंगलवार को राजस्थान हाई कोर्ट, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट तथा कर्नाटक के नए चीफ जस्टिस नामित किए। जस्टिस पंकज मिथल राजस्थान हाई कोर्ट, जस्टिस ए.एम. माग्रे जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनाए गए हैं। जस्टिस मिथल को शुरु में 4 जनवरी 2021 को जम्मू एवं कश्मीर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह मूलतः इलाहाबाद हाई कोर्ट से है, जहां वह जज बने थे। शुरु से उनकी नियुक्ति अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई थी और जुलाई 2006 में वह वहां के स्थायी न्यायाधीश बने। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के गत 30 सितम्बर को इनके नामों की सिफारिश की थी और अब इनकी नियुक्तियां की गई हैं।

## प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने नेताओं की घर वापसी पर दिया बड़ा बयान

### अरूण सिंह ने कहा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया से बात करके ही कमेटी करेगी घर वापसी का फैसला

- 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा कोटा में लेंगे, कोर कमेटी की बैठक, उसमें 6 नेताओं की घर वापसी पर फैसला होगा।
- ये 6 नेता हैं, सुरेन्द्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेन्द्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा।
- रोचक बात यह है कि, पार्टी का एक धड़ा इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। भाजपा में पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने बड़ा बयान दिया। इस दौरान सिंह ने कहा कि भाजपा छोड़ कर जा चुके नेताओं की घर वापसी पर फैसले के लिए एक कमेटी का गठन होगा। कमेटी नेताओं के प्रोफाइल और तमाम पहलुओं पर चर्चा करके रिपोर्ट तैयार करेगी।

उन्होंने कहा कि जो नेता पार्टी की नीतियों में विश्वास करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए जा रहे कामकाज से प्रभावित होकर पार्टी में आना चाहेगा उसे ही पार्टी में शामिल करवाया जाएगा। कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सतीश पूनिया को सौंप देगी और पूनिया उसके बाद अपनी सहमति देकर अपनी रिपोर्ट पार्टी आलाकमान को देंगे।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर इन दिनों प्रदेश भाजपा में चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि जिन आधा दर्जन नेताओं की घर वापसी की बात कही जा रही है। उनका फैसला पार्टी की कोर कमेटी करेगी

पार्टी की कोर कमेटी की बैठक 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में कोटा में आयोजित होगी जिसमें नेताओं की घर वापसी का फैसला होगा। पार्टी छोड़ चुके सुरेंद्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेंद्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा का फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में होगा।

वही दिलचस्प बात तो यह है कि एक तरफ तो नेताओं की घर वापसी का फैसला पार्टी कोर कमेटी करेगी लेकिन पार्टी कोर कमेटी में ही कई नेता ऐसे हैं जो इन नेताओं की घर वापसी का विरोध कर रहे हैं। कोर कमेटी के सदस्य और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और देवी सिंह भाटी के बीच अदावत जगजाहिर है इसके अलावा केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और मानवेंद्र सिंह के बीच भी लंबी अदावत चली आ रही है ऐसे में पार्टी का एक धड़ा ही इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।

प्रदेश पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारीअरुण सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां,भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्रीचंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश सह प्रभारीविजया रहाटकर ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में आगामी कार्ययोजना व विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा अरुण सिंह, डॉ. सतीश पूनियां, चंद्रशेखर, विजया रहाटकर, केंद्रीय मंत्रीअर्जुनराम मेघवाल ने पार्टी के विभिन्न अभियानों के संयोजक और विभागों के संयोजक व सह संयोजकों के साथ भी बैठक कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

## विचार बिन्दु

स्वयं को भेड़ बना लोगे तो भेड़िये आकर तुम्हें खा जायेंगे। –जर्मन कहावत

# राज्य के माली हालात अच्छे नहीं हैं पर चिंता कौन करे

ऐसा लगता है अपने को जनता की सबसे बड़ी हितैषी साबित करने के लिए राजस्थान सरकार अपने राजकोष को दोनों हाथों से लुटाने में लगी है। जिसकी झोली में जितना समाए वह ले, ले। सारे आधिकारिक संकेत यह इंगित करते हैं कि राज्य की माली हालत अच्छी नहीं है जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ सकता है। राज्य की वित्तीय स्थिति को तीन चीजों से आंका जाता है। पहला तो यह कि उसके राजस्व खाते की हालत कैसी है। वह घाटे में चल रहा है या आधिक्य में है। दूसरा, उसके राजकोष की स्थिति और तीसरा उसके द्वारा लिया गया कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कितना है? इसका आकलन भारत की संवैधानिक संस्था नियंत्रक–महालेखा परीक्षक (सीएजी) नियमित रूप से करती है और प्रति वर्ष अपनी रिपोर्ट देती है जिसे राज्य सरकार को विधानसभा के पटल पर रखना पड़ता है। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजटीय प्रबंधन अधिनियम, बजट दस्तावेज़, आर्थिक समीक्षा 2020–21, पंद्रहवें वित्त आयोग की रिपोर्ट और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों से प्राप्त वित्तीय डेटा के आधार पर सीएजी द्वारा राज्य के वित्तीय प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। उसकी ताजा रिपोर्ट राज्य की वित्तीय हालत के भयावह संकेत देती है। उसकी सबसे बुरी सूचना तो यह है कि राजस्थान का राजकोषीय घाटा जो 2019–20 में सकल घरेलू उत्पाद का 3.77 प्रतिशत था वह एक ही साल 2020–21 में बढ़ कर 6.20 प्रतिशत हो गया। यह वह समय है जब से राज्य के शीर्ष राजनैतिक नेतृत्व ने लोकलुभावन वाली राह पकड़ी। इसका कारण किसी से छुपा नहीं है।

सत्ताधारियों द्वारा राजकोष से किये जाने वाले लोकलुभावन खर्चों से अर्थव्यवस्था को चौपट होने से बचाने के लिए 2005 में राजकोषीय उत्तरदायिव एवं बजट प्रबंधन कानून (एफआरबीएम अधिनियम) बनाया गया था। मगर राज्य सरकार को उसे भी नज़रन्दाज़ करने से उठा नहीं है। सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2020–21 के दौरान राज्य सरकार का राजस्व घाटा 44,001 करोड़ रुपयों का था। इस घाटे की हालत में राज्य पर राजकोषीय देनदारियां अर्थात कुल बकाया ऋण सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बढ़ कर 42.37 प्रतिशत हो गया जबकि कानून की मंशा के अनुसार वह 38.20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसके पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व प्राप्तियों में 5,805.93 करोड़ रुपए (4.14 प्रतिशत) की कमी आई, जबकि राजस्व व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 71,824.31 करोड़ (1.03 प्रतिशत) की वृद्धि हुई जिसने राजस्व घाटे को बढ़ाया। एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार तो राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपना राजस्व घाटा पूरी तरह समाप्त कर शून्य कर देना था और उसके बाद उसे शून्य पर बनाए रखना था। अर्थात सरकार को प्रशासन पर उतना ही खर्च करना लाकिमी है जितनी उसकी आमद है। साधारण भाषा में कहें तो उतने ही पैर पसारने हैं जितनी चादर है। किन्तु जब निर्वाचित शासन अपने राजनीतिक फायदे के लिए मतदाता के तुष्टीकरण पर उतर आए तब चादर छोटी पड़ ही जाती है। ऐसे में खर्चों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार जनता पर भविष्य में भारी पड़ने वाले कदम को उठाने में भी नहीं हिचकती है। वह उधार ले कर काम चलाने लगती है। बजट में दो खाते होते हैं – राजस्व खाता तथा पूंजीगत खाता। राजस्व खाते में करों से तथा अन्य क्रियाकलापों जैसे आबकारी तथा भू राजस्व आदि से आय होती है जबकि पूंजीगत खाते में उधार ली हुई रकम आती है। यह व्यवस्था इसलिए है कि सरकार पैसा उधार लेकर विकास के उन कामों पर खर्च करे जिनसे न केवल जनता के लिए सुविधाएं बनें बल्कि उनसे आय भी हो जिसके लिए ली गई उधारी चुक सके। वैसे ही जैसे किसी व्यवसाय में होता है कि कर्जा लेकर कोई उपक्रम शुरू किया जाता है और उससे होने वाली आमद कर्जा भी चुकाया जाता है और अपना काम भी चलाया जाता है। लेकिन धंधे के लिए कर्जा ले कर उसे अनुत्पादक कामों जैसे भोज करने या उत्सव करने में लगा दिया जाय तो धंधा तो नहीं चलेगा और दिवालिया होने की सूरत बन सकती है। ऐसा ही कुछ राज्य सरकार का हाल हो रहा है। उसका पूंजीगत खर्चा एक साल में 552.44 करोड़ रुपये (3.75 प्रतिशत) बढ़ गया। राजनेताओं की रुचि ऐसे पूंजीगत खर्च में अधिक होती है जिसमें खूब ठेके दिये जा सकें।

> **राजकोष का पैसा किसी की निजी संपत्ति नहीं होता। वह लोगों के खून पसीने की कमाई से आया पैसा होता है। शासन में बैठे लोग उसके केवल ट्रस्टी होते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेवारी बनती है कि राजकोष के एक-एक पैसे का सदुपयोग हो और दक्षता से हो।**

महानियंत्रक लेखाकार की रिपोर्ट में यह गंभीर टिप्पणी भी है कि राज्य सरकार की बजटीय धारणाएं यथार्थवादी नहीं है। शासन में भले ही बजट बनाने की दक्ष और पारदर्शी व्यवस्था बनी हुई है उसके बावजूद बजट के गलत अनुमान लगाए जाते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में बजट के बनाने और उसके निष्पादन में बड़ी खामियां हैं और उस पर पर्याप्त नियंत्रण की कमी है। स्वाभाविक ही है कि यह सवाल पूछा जाय कि ऐसा क्यों होता है? हम जानते हैं कि ऐसा राजनैतिक दखलंदाजी के कारण होता है। वह तब होता है जब शासन प्रशासन लापरवाह हो जाता है। सरकारी मशीनरी सत्ता में बैठे निर्वाचित राजनेताओं की निजी जागीर बन जाती है और नौकरशाह उनकी कठपुतलियां। ऐसे में नौकरशाओं की महत्वाकांक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। अब तो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी होने लगी है और वे पूरी भी होती दिखती है। जब ऐसा होता है तब नियम और कायदे कानून कागजों में रह जाते हैं और राज्य की आमदनी और खर्च का हिसाब गड़बड़ा जाता है। यह गड़बड़ राज्य के सालाना बजट में झलकती है जिस पर निगाह रखने की अपनी जिम्मेवारी लगता है विधायिका कब का त्याग चुकी है।

बजटीय लापरवाही का दृष्टांत इस रिपोर्ट में मिलता है। वह बताती है कि सरकार ने इस साल सदन से 36,253.96 करोड़ रुपयों की अनुपूरक अनुदान राशि मंजूर कारवाई। मगर वित्तीय वर्ष पूरा होने के बाद पता चला कि वास्तव में 27,052 करोड़ रुपयों की राशि तो खर्च ही नहीं हुई। यह कुल बजट की 10.08 प्रतिशत राशि थी। इसका सीधा अर्थ है कि सरकार को बजट के प्रति कोई चिंता ही नहीं है और उससे कोई जवाब भी नहीं मांग रहा है। ऐसा शासन तंत्र में इसी साल हुआ हो ऐसा नहीं है। यह रिपोर्ट बताती है कि 2016–17 से 2019–20 की अवधि के दौरान बजट के अनुपूरक प्रावधान लगातार अनावश्यक साबित हुए हैं। महालेखाकार और नियंत्रक द्वारा हर साल इन मुद्दों को उठाने के बावजूद पिछले कई वर्षों में राज्य सरकार अपनी व्यवस्था को सुधारने में विफल रही है। सरकार ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है। इस संबंध में विधानसभा की जन लेखा समिति (पीएसी) की सिफारिशों को भी राज्य सरकार ने नजरंदाज किया है। प्रशासनिक नियंत्रण की असफलता इससे झलकती है। निर्धारित वित्तीय नियमों और निर्देशों के बावजूद सरकारी विभागों द्वारा विशिष्ट विकास कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए आहरित धन के उपयोग के प्रमाण पत्र और विस्तृत आकस्मिक बिल प्रस्तुत नहीं किया जाना और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों द्वारा अपने खाते नहीं प्रस्तुत किया जाना विधिक व्यवस्था का उल्लंघन तो दर्शाता ही है साथ ही यह भी इंगित करता है कि सरकार में आंतरिक नियंत्रण की कमी है तथा राज्य सरकार का निगरानी तंत्र कमजोर है। यह कमजोरी प्रशासनिक तंत्र में राजनैतिक हस्तक्षेप के कारण आती है।

महालेखाकार राज्य सरकार के खातों का ऑडिट संविधान की धारा 149 और 151 के तहत करता है। कोई खामी सामने आने पर उसकी जांच रिपोर्ट पहले संबंधित इकाई के प्रभारी को दी जाती है। उनके जवाब आने के बाद उन पर विचार किया जाता है। बहुत सी ऑडिट आपत्तियां वहीं खत्म हो जाती है या उन पर कार्यवाही की सलाह दी जाती है। मगर सरकार में क्या हो रहा है इसका खुलासा महालेखाकार की यह रिपोर्ट खुद देती है जो विधानसभा के पटल पर रखी जाती है तथा वह सार्वजनिक दस्तावेज होती हैं। मगर विधानसभा के हमारे निर्वाचित सदस्यों को उन्हें पढ़ने की काम ही फुरसत होती है। संवैधानिक दायित्वों से चलने वाला लोकतान्त्रिक शासन की सबसे पहली शर्त राजकोष का ठीक से हिसाब–किताब रखा जाना होता है क्योंकि इसका पैसा किसी की निजी संपत्ति नहीं होता। वह लोगों के खून पसीने की कमाई से आया पैसा होता है। शासन में बैठे लोग उसके केवल ट्रस्टी होते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेवारी बनती है कि राजकोष के एक–एक पैसे का सदुपयोग हो और दक्षता से हो। दक्षता पर तब पानी फिरा हुआ नज़र आता है जब हम महालेखाकार की रिपोर्ट में यह पढ़ते हैं कि मार्च 2020 तक सरकारी विभागों को जारी 3,644 जांच रिपोर्टों में 17,119 ऑडिट पैरे दिए गये जिनमें 24,383 करोड़ 73 लाख रुपयों की अनियमितताएं इंगित की गई थी मगर उनका जवाब नहीं मिला। जवाब आने में सबसे बड़ी कोताही सार्वजनिक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी बरतता है। मगर विभागों के प्रमुखों से कौन पूछे कि वे क्यों इतनी अकुशलता से काम करते हैं? यह जानकारी भी यही रिपोर्ट देती है कि प्रत्येक विभाग में एक ऑडिट कमेटी बनी हुई है। कम से काम चार ऐसे विभाग भी हैं जहां 2019–20 में उनकी ऑडिट कमेटियों की एक भी बैठक नहीं हुई जो नियमानुसार होनी चाहिए थी। आर्थिक हालात का एक और संकेतक सकल घरेलू उत्पाद होता है जो बताता है कि देश का यह सबसे बड़ा राज्य सातवें नंबर पर है। इसे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में बदलें तो हालत और भी बुरी नज़र आती है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में राजस्थान देश के राज्यों में 23वें नंबर पर है। दुर्भाग्य से आमजन इन गुत्थियों को नहीं समझता और उनके निर्वाचित प्रतिनिधि उन्हें समझना नहीं चाहते।

**–अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# सचिन पायलट को बगावत करने के लिये मजबूर कर रहा है आलाकमान?

राजस्थान कांग्रेस की सरकार में 25 सितंबर को उठे सियासी तूफान के बाद जिन दो मंत्रियों और एक चैयरमेन को नोटिस दिया गया था, उनके खिलाफ कार्यवाही होने की संभावना नजर नहीं आ रही है। तीनों ही लोग अशोक गहलोत के खास हैं, और कहा जाता है कि आलाकमान के खिलाफ बगावत करने का काम भी इन्होंने गहलोत के आर्शीवाद से ही किया था। अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी से मुलाकात कर उस घटना पर माफी मांग चुके हैं और उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करना उसी दिन तय हो गया था, तब गहलोत ने सोनिया गांधी से मिलकर पूरे घटनाक्रम पर माफी मांग ली थी।

उस घटना के बाद एक बार लगा था कि गहलोत के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही हो सकती है, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी से मिलकर पूरे मामले को ना केवल समझाया, बल्कि मंत्रियों की बगावत को भी अपने ऊपर लेते हुये मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। पिछले दिनों सचिन पायलट ने जयपुर में मंत्री प्रताप सिंह खाचरिवास से मुलाकात की थी, तब भी यह दिखाने का प्रयास किया गया कि शायद कांग्रेस आलाकमान अब राज्य में नेतृत्व परिवर्तन करने जा रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में ऐसा कुछ भी होता हुआ नजर नहीं आ रहा है, बल्कि अब यह चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि सचिन पायलट का मुख्मयंत्री बनने का सपना शायद इस बार भी पूरा नहीं होगा, क्योंकि अशोक गहलोत जिस आत्मविश्वास से आलाकमान के आदेश के बाद भी खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि उनको कुर्सी जाने का अब कोई खतरा नहीं लग रहा है।

कांग्रेस आलाकमान द्वारा विधायकों और मंत्रियों को अपना मुंह बंद रखने की सलाह के बाद भी ओसियां से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा काफी आक्रामक हैं, वह ट्वीटर के जरिये लगातार शांति धारीवाल, महेश जोशी और धमेंद्र राठौड़ पर कार्यवाही करने की मांग कर रही हैं। इससे पहले वह मीडिया के सामने आकर भी खुलेआम इन लोगों के खिलाफ बयानबाजी चुकी हैं। विधायक मदेरणा के अलावा कोई भी विधायक या मंत्री बोलने को तैयार नहीं हैं। सचिन पायलट कैंप की चुप्पी ने यह साबित कर दिया है कि अब कांग्रेस आलाकमान के निर्णय के बाद कोई बड़ा तूफान आने की संभावना है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी की ओर कोई आदेश नहीं दिया गया है, जिसके कारण इंतजार किया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही कोई रास्ता निकाला जा सकता है। जबकि हकीकत यह है कि अध्यक्ष के सबसे तगड़े दावेदार मल्लिकार्जुन खड़गे किसी भी सूरत में गांधी परिवार के निर्देशों की अवहेलना नहीं कर सकते हैं। जिससे यह भी चर्चा शुरू हो गई है कि अध्यक्ष का चुनाव और गांधी परिवार से अध्यक्ष नहीं बनाना केवल कागजी कार्यवाही से अधिक कुछ भी नहीं है। यदि खड़गे अपनी मर्जी से कोई काम नहीं कर सकते, तो फिर साफ है कि वह केवल डमी अध्यक्ष हैं और पार्टी में कुछ भी बड़ा परिवर्तन नहीं होने वाला है।

वैसे भी सोनिया गांधी तो अशोक गहलोत के ही पक्ष में मानी जाती हैं,

रामगोपाल जाट

यदि खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद भी उनकी ही चलती रही तो तय है कि अशोक गहलोत अपना पांच साल का कार्यकाल आराम से पूरा करेंगे। हालांकि, सवाल यह उठता है कि क्या सचिन पायलट ऐसा होने देंगे? यदि सचिन पायलट इस कार्यकाल में मुख्यमंत्री नहीं बने तो कम से कम 6 साल इंतजार करना होगा। उसके बाद भी इस बात की कोई गांरटी नहीं है कि कांग्रेस की सत्ता लौट आयेगी और वही मुख्यमंत्री बनाये जायेंगे। सवाल यह भी है कि क्या सचिन पायलट जो इसी कार्यकाल में मुख्यमंत्री बनने की मेहनत कर रहे हैं, वह कितना धैर्य रख पायेंगे?

संख्या के समीकरण की बात की जाये तो अशोक गहलोत जहां खुद के साथ 102 विधायकों का दावा कर रहे हैं, वहीं सचिन पायलट कैंप में भी 20 से अधिक विधायक हैं, जबकि 3 आरएलपी, 2 बीटीपी, 2 सीपीएम के विधायक हैं, इसी तरह से 13 निर्दलीय विधायक हैं, जिनको अशोक गहलोत खुद अपने खेमे में ही गिनाते रहते हैं। असल बात यह है कि दिव्या मदेरणा, राजेंद्र गुढ़ा, खिलाडीलाल बैरवा, गिर्राज मल्लिंगा, गंगादेवी, इंदिरा मीणा जैसे कई विधायक खुद को आलाकमान के साथ होने का दावा कर चुके हैं, तो फिर अशोक गहलोत कैंप में 102 का दावा कैसे किया जा सकता है? खाचरिवास का कहना है कि 82 विधायकों ने इस्तीफा दिया था, जबकि असल संख्या अभी तक भी सामने नहीं आई है।

सवाल यह भी उठता है कि जब इतने विधायक इस्तीफा दे चुके हैं, तो फिर विधानसभाध्यक्ष सीपी जोशी ने इनके इस्तीफे स्वीकार क्यों नहीं किये? क्या इस्तीफा देना केवल नाटक मंडली के खेल से अधिक कुछ नहीं था? क्या विधायकों के इस्तीफे जबरन लिये गये थे ? क्या संविधान के अनुसार किसी विधायक से कोई नेता, मुख्यमंत्री या विधानसभाध्यक्ष जबरन इस्तीफा ले सकते हैं? संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, फिर दबाव बनाकर इस्तीफा साइन करवाना और उनको स्वीकार नहीं करना क्या कहलाता है ? बात यह है कि यह पूरा राजनीतिक दबाव बनाने का ड्रामा था, जिसके रचियता खुद अशोक गहलोत ही माने जाते हैं।

राजस्थान में अगले कुछ दिनों में नया सियासी ड्रामा होने की संभावना नहीं है, लेकिन 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद फिर से कुछ घटनाक्रम होने उम्मीद लगाई जा रही है। उससे पहले सवाल यह खड़ा होता है कि क्या सचिन पायलट इस बार भी अशोक गहलोत के सामने मात खा गये हैं? क्योंकि यदि सीएम का चेहरा नहीं बदला तो सचिन पायलट का कांग्रेस में दम घुटने लगेगा, जो ना तो उनको और ना ही उनके समर्थक विधायकों को पसंद है। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के फैसले का इंतजार करते करते सचिन पायलट करीब 27 महीनों का समय निकाल चुके हैं और यदि अब भी उन्होंने अपनी ताकत नहीं दिखाई तो बचे हुये 15 महीनें भी यूं ही निकल जायेंगे, जिसके बाद राज्य में सत्ता रिपीट होना तो दूर की बात है, कांग्रेस की हालात 2013 के चुनाव से भी अधिक बुरी होती हुई दिखाई दे रही है।

इसका अर्थ यह लगाया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान पहली बात तो अशोक गहलोत के खिलाफ एक्शन लेने की हालात में नहीं है, दूसरी बात इस तरह से सचिन पायलट को सत्ता से दूर रखकर उनको बगावत करने को मजबूर कर रहा है। वैसे भी कांग्रेस के पास देश में सचिन पायलट जैसा दूसरा नेता नहीं बचा है, जो अपने दम पर देश के सभी राज्यों में भीड़ जुटाने पाने का कद रखता हो। खुद राहुल गांधी और अशोक गहलोत को भी राजस्थान में भीड़ के लिये सचिन पायलट का सहारा लेना पड़ता है। सचिन पायलट की इस ताकत को कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी जितना जल्दी समझ जायेंगे, उतना ही कांग्रेस का भला होगा, अन्यथा अशोक गहलोत के दम पर सत्ता रिपीट करने का सपना हमेशा के लिये सपना ही रह जायेगा।

**रामगोपाल जाट,**
**वरिष्ठ पत्रकार**

# 'ईआरसीपी को मूर्त रूप देने का काम केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय का'

रूपारेल नदी, अलवर एवं भरतपुर जिलों में क्रमशः 40 एवं 60 प्रतिशत का बहाव क्षेत्र रखती है। वर्ष 1910 में अलवर एवं भरतपुर राज्यों के मध्य समझौते के अनुसार जयसमंद बांध तैयार हुआ । गंगानगर में गंग नहर आई, जयपुर में रामगढ़ एवं कालक जैसे बांध बने, इसी प्रकार राजस्थान में अनेक बांधों का निर्माण राजाओं के राज में हुआ, जिससे जनसामान्य लाभान्वित हुए। अमृत काल में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के बाद राज्य की सबसे बड़ी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में सामंती सोच बाधा बनेगी यह कल्पनातीत होते हुए भी सच है ।

राजस्थान राज्य में 2.02485 लाख हेक्टर नवीन सिंचित क्षेत्र बनने, 80,878 हेक्टर की पुरानी सिंचित भूमि को जीवन प्रदान करने, दिल्ली–मुंबई गलियारा सहित अन्य उद्योगों को पानी उपलब्ध कराने तथा 13 जिलों की 40 प्रतिशत जनसंख्या के कंठों की प्यास बुझाने के लिए पीने का मीठा पानी उपलब्ध कराने की परियोजना को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय पलीता लगाने में जुटेगा विश्वास नहीं होता किंतु यह एक तथ्य है । यह भी तब, जब देश के प्रधानमंत्री इस परियोजना के संबंध में संवेदनशीलता के साथ सकारात्मकता से विचार करने का जयपुर, अजमेर एवं हिंडौन की जनसभाओ में राजस्थान की जनता को आश्वस्त किया था ।

**कैसे प्रकट हुई सामंती सोच :-**

इस परियोजना को राज्य के 13 जिलो के लिए महत्वपूर्ण मानते हुए ही वर्ष 2018 में प्रसन्न मन से यह घोषणा की थी, उसे पूरा करने का काम संबंधित जल शक्ति मंत्रालय का है, जिसके द्वारा प्रभावी रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने से यह परियोजना आगे बढ़ती है, इस मंत्रालय को ही प्रधानमंत्री जी की इच्छा के अनुसार धरातल पर उतारकर मूर्त रूप देने के लिए काम करने दायित्व है, किंतु जल शक्ति मंत्रालय इसके विपरीत दिशा में काम कर रहा है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के बीच नदियों के जल को लेकर कोई विवाद नहीं रहा न है, दोनों राज्यों में सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं । अन्तर्राजीय जल के संबंध में नियंत्रण मंडल नीति नियामक की सर्वोच्चता प्राप्त संस्था है । इन बैठकों की अध्यक्षता मुख्यमत्री के द्वारा ही की जाती है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ सम्बंधित विभागों के मंत्रियों सहित प्रमुख शासन सचिव स्तर के अधिकारियों की भागीदारी रहती है । इस बैठक के उपरांत 27 जून 2018 को भोपाल में चार अधिकारियों की बैठक में इस परियोजना को 50 के

रामपाल जाट

स्थान पर 75 प्रतिशत पानी की निर्भरता पर पुनरीक्षित करने का उल्लेख कर दिया गया। केंद्र का जल शक्ति मंत्रालय निरंतर राजस्थान राज्य को कोसने का काम कर रहा है । 4 जनवरी 2019 को समाचार पत्रों में प्रधानमन्त्री का वक्तव्य प्रकाशित हुआ था ...... केंद्र में यूपीए की सरकार थी तो राज्यों को आपस में पानी के बटवारे के लेकर झगडा कराती थी..... अब राज्यों में पानी को लेकर कोई झगडा नहीं है । इसी प्रकार मध्यप्रदेश के सिंचाई मंत्री तुलसी सिलावट ने भी अपने साक्षात्कार में पूर्वी राजस्थान नहर योजना में किसी भी प्रकार का विवाद होने से मना किया है । जिसका प्रकाशन भी समाचार पत्रों में 04 मई को हुआ था। इन्हें दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय का कदम किसी भी प्रकार उचित नहीं है । केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के स्थान पर अन्य विकल्प खोजने में लगा हुआ है । राजस्थान राज्य को डराने का भी प्रयास कर रहे हैं इसीलिए मध्यप्रदेश न्यायालय में चला जाएगा जिससे यह योजना अटक जाएगी, यदि मध्यप्रदेश ने राजस्थान की तरह 75 प्रतिशत के स्थान पर 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता पर अपस्ट्रीम में परियोजना बना ली तो राजस्थान की परियोजनाओं को पानी प्राप्त नहीं होगा, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने राजस्थान राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर इस परियोजना के सभी घटकों पर काम रोकने का आदेश भी प्रसारित किया है ।

एक पत्र में जल शक्ति मंत्रालय की और से अंकित किया गया है कि 2005 की 13वी बैठक में मध्यप्रदेश की अनापत्ति के संबंध में उल्लेख है किन्तु पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता की सहमती के संबंध में कोई उल्लेख नही है। यह आश्चर्यमिश्रित रोचक तथ्य है, क्योकि इस परियोजना की चर्चा वर्ष 2014 के उपरांत आरम्भ हुई और केंदीय जल आयोग के निर्देशानुसार वर्ष हाईड्रोलोजी, फिजीबिलिटी एवं डी.पी.आर. वर्ष 2016–17 में तैयार की गई थी । इसके पूर्व इस नाम की परियोजना अस्तित्व में ही नही थी, फिर भी केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय वर्ष 2005 की बैठक में इस परियोजना में 50 प्रतिशत पानी की निर्भरता सम्बन्धी सहमती नही होने को आधार बना रहा है । यह एक मात्र आधार ही जल शक्ति मंत्रालय की छोटी एवं सामंती मानसिकता को प्रकट कर देता है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस परियोजना को सिंचाई प्रधान परियोजना बनाने के लिए सार्थक पहल की जाती, जिससे 13 जिलों की भूमि को सिंचाई की सुविधा अधिक प्राप्त होती उन जिलो में सूखे पड़े बांध पानी से लबालब होते, भूमिगत जल स्तर में सुधार होता । इस परियोजना में अभी तक तो 49 प्रतिशत पानी, पीने के लिए, 8 प्रतिशत पानी दिल्ली–मुंबई गलियांरा सहित अन्य उद्योगों के लिए तथा शेष 43 प्रतिशत पानी सिंचाई के लिए रखा गया है। इस योजना के सिंचाई प्रधान होने पर 86 प्रतिशत पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध हो जायेगा । इसे सिंचाई प्रधान बनाना इस लिए भी अधिक युक्तिसंगत है कि 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर को नल से जल की योजना ग्रामीण भारत के लिए तैयार की गई है । जिसमें 3.60 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय में से 2.06 लाख करोड़ रुपये केंद्र का अंशदान घोषित है। राजस्थान के लिए 18 जुलाई 2022 तक 27,332.84 करोड रुपये की राशि का आवंटन किया जा चुका है । इसलिए पीने के पानी के लिए अन्य किसी परियोजना की आवश्यकता नहीं रह जाती है।जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस परियोजना के संबंध में उदार मन से विचार किया जाता तो इस परियोजना के पंख लग जाते। इसका एक पक्ष यह भी है कि जल के संबंध में सभी प्रकार की परियोजनाएं बनाने की शक्ति संविधान ने राज्यों को दी हुई है । केंद्र सरकार राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दे तो इस परियोजना की लागत में से 90 प्रतिशत तक की राशि केंद्र द्वारा दिए जाने का प्रावधान है, इससे यह परियोजना निर्धारित 7 वर्ष की अवधि के पहले ही पूर्ण होने की संभावना बन जाती है । इस परियोजना से राज्य में समृद्धि एवं खुशहाली आयेगी वही सरकारों के राजस्व में कई गुना बढोतरी हो जाएगी।

**रामपाल जाट, राष्ट्रीय अध्यक्ष**
**किसान महापंचायत**

# मोरेल बांध में दिखाई दिया आर्कटिक क्षेत्र का प्रवासी पक्षी सेडरलिंग

पांच हजार किमी से भी ज्यादा यात्रा कर पहुंचा प्रवासी पक्षी सेडरलिंग।

### समुद्री पक्षी है सेंडरलिंग

**लालसोट,** (निसं)। क्षेत्र के मोरेल बांध पर राजस्थान प्रदेश में पहली बार आर्केटिक क्षेत्र के प्रवासी पक्षी सेडरलिंग की मौजूदगी देखी गई है। प्रमुख पक्षिविद एसोसिएट प्रोफेसर एवं बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के स्टेट कोऑर्डिनेटर सुभाष पहाडिया ने बताया कि यह पक्षी सेडरलिंग आर्कटिक क्षेत्र से करीब पांच हजार किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा तय कर मोरेल बांध पहुंचा है। पहाड़ियां ने बताया कि यह आमतौर पर समुद्री पक्षियों की श्रेणी में गिना जाता है एवं अधिकतर समुद्री क्षेत्र में ही प्रवास करता है लेकिन एक छोटे से मोरेल बांध में इसका प्रवास करना पक्षी प्रेमियों के लिए कौतूहल का विषय एवं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मोरेल बांध पर अब तक ग्रेटर फ्लैमिंगो राजहंस, समुद्री बाज सहित कई संकटग्रस्त श्रेणी के प्रवासी पक्षी भी प्रवास कर चुके हैं। मोरेल बांध पर वातावरण सुरक्षित होने के कारण कई लंबी दूरी तय कर आने वाले विभिन्न श्रेणी के प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी से मोरेल बांध प्रावासी पक्षियों का स्वर्ग बनता जा रहा है। पक्षी बांध के निचले भाग जहां पानी भरा हुआ है वहां करीब आधा दर्जन की संख्या में दिखाई दिए है। यह सैंडपाइपर प्रजाति का ही एक छोटा पक्षी है जो लगभग बीस से पच्चीस सेमी लंबा विंगस्पान पेतीस से चालीस सेमी और वजन पचास से साठ ग्राम होता है। यह पक्षी उत्तरी अमेरिका और आर्कटिक में प्रजनन करता है। सर्दियों में यह विश्व के कोस्टल भाग में प्रवास करता है।

# उपेक्षित है स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों से जुड़ा वैर का शिलालेख

**वैर,** (निसं)। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के नाम का शिलालेख उपेक्षित पड़ा है । कस्वा वैर में स्थित ऐतिहासिक इमारत सफेद महल के सामने स्थित छोटे कुंड के बीचो बीच 11 अप्रैल 1976 को स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखकर इसकी स्थापना की गई थी। इस शिलालेख पर भावी पीढ़ी की जानकारी के लिए पंचायत समिति वैर के स्वतंत्रता संग्राम के शहीद व स्वतंत्रता सेनानी के नाम विधि विधान के साथ अंकित कराए गए थे । कुछ समय तक इस शिलालेख की देखभाल होती रही परंतु लंबे समय तक इसके रखरखाव के लिए किसी ने ध्यान नहीं दिया और यह शिलालेख आज तक उपेक्षित है ।

इस शिलालेख पर 17 स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के नाम क्रमशः स्वर्गीय रमेश स्वामी , स्वर्गीय भगवत प्रसाद आर्य, स्वर्गीय रामजी लाल महासय, विद्या व्रत शास्त्री बल्लभगढ़, श्री द्वारका प्रसाद गुप्ता, रामस्वरूप बजाज, रघुवीर सिंह पांडे आदि अंकित हैं।

## राशिफल

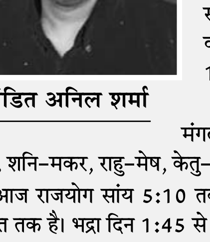

पंडित अनिल शर्मा

**बुधवार 12 अक्टूबर, 2022**

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र सांय 5:10 तक, वज्र योग दिन 2:19 तक, वणिज करण दिन 1:45 तक, चन्द्रमा रात्रि 11:29 से वृष राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मेष, मंगल–वृष, बुध–कन्या, गुरू–मीन, शुक्र–कन्या, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज राजयोग सांय 5:10 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:10 से सूर्यास्त तक है। भद्रा दिन 1:45 से रात्रि 2:00 तक है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:45 से 12:13 तक, चर 3:06 से सांय 1:30 तक, लाभ 4:32 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:58

**मेष**
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

**कर्क**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**सिंह**
व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**कन्या**
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी और संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

**धनु**
व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

**मकर**
घर–परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

**कुंभ**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

## सार-समाचार

### सम्भागीय बैठक सम्पन्न

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं मुस्लिम राष्ट्रीय के राष्ट्रीय संयोजक अबु बकर नकवी ने कहा है कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस द्वारा हाशिये पर धकेले गये अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच देश की मुख्यधारा में लाकर उनमें राष्ट्रवाद का संवाहक बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिमों को अपना वोट बैंक बनाकर रखा और इस डर से कि कहीं मुसलमान पढ़-लिख कर समझदार हो गये तो उन्हें वोट नहीं देंगे इसलिए कभी भी आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कोटा की सम्भागीय बैठक को सम्बोधित करते हुए मंच के प्रदेश संयोजक आबिद शेख ने कहा कि राज्य में गत विधानसभा चुनावों में जहां अल्पसंख्यक समुदाय ने बढ़-चढ़कर कांग्रेस को वोट दिया और उनकी सरकार बनवाई वहां 4 साल बीतने और दूसरे चुनाव निकट आ जाने के बाद भी वक्फ बोर्ड, मदरसा बोर्ड, उर्दू अकादमी में राजनैतिक नियुक्तियां नहीं की गई हैं। यदि कांग्रेस मुसलमानों की इतनी ही खैरख्वाह है तो अब तक पढ़े-लिखे जहीन मुसलमानों को इन पदों पर मनोनीत क्यों नहीं किया गया। इससे अल्पसंख्यक समुदाय को सबक लेना चाहिए और अपने जीवन की दशा और दिशा के बारे में गम्भीरता से विचार करना चाहिए। मंच के सम्भाग संयोजक इरशाद अली ने बताया कि सभी सम्भागों में मंच की बैठकें होंगी और उसके बाद प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा जिसे मार्गदर्शक इन्द्रेश कुमार सम्बोधित करेंगे। बैठक में कोटा जिला संयोजक वहीद मुल्तानी, बारां जिला संयोजक अहसान अंसारी, बूंदी जिला संयोजक अल्ताफ खान, झालावाड़ जिला संयोजक इरशाद खान, मौलाना समीररूद्दीन, हाजी हकीम, हाजी इशहाक खान, मुन्ना खान, रउफ खान, इरफान अहमद कोटवी सहित बड़ी संख्या में मंच के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

### 250 पांडुलिपियां भेंट की

**कोटा,** (निसं)। प्राचीन पांडुलिपियों को रद्दी में बेचने की जगह इनरव्हील क्लब ने संरक्षण के लिए विशेष पहल की है। सदस्यों ने अपने घरों पर दीवाली की साफ-सफाई के दौरान करीब 250 प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए बसंत विहार स्थित अकलंक शोध संस्थान को दान की है। वहीं, क्लब की ओर से इन प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए भी काम किया जाएगा। क्लब अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल ने बताया कि पांडुलिपि हस्तलिखित हैं, जो गल चुके हैं। उनके लिए यह संस्थान अच्छी पहल कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए क्लब सदस्यों एवं पुष्पा गुप्ता की मदद से इन्हें एकत्रित कर संस्थान को भेंट किए हैं, ताकि इन दुर्लभ ग्रंथों का संरक्षण किया जा सके। क्लब सचिव चारु जैन ने बताया कि जो पांडुलिपि जीर्ण-शीर्ण हो चुकी हैं, जो सही नहीं हो सकती, उन्हें पेपरमेसी के माध्यम से भगवान की मूर्ति से लेकर दीपक आदि आयटम बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। सही होने योग्य पांडुलिपि का संस्थान में करवा सकते हैं निशुल्क ट्रीटमेंट अकलंक शोध संस्थान के अध्यक्ष पीयूष बज एवं सचिव ऐश्वर्य जैन ने बताया कि दीवाली में साफ-सफाई के दौरान घरों में काफी पांडुलिपियां रद्दी में बेच देते हैं। यदि वे इनको सुरक्षित रखना चाहते हैं तो निशुल्क ट्रीटमेंट करवाकर ले जा सकते हैं। यदि सहेजने में परेशानी है तो संस्थान को भेंट कर सकते हैं।

### कार्यशाला का उद्घाटन हुआ

**कोटा,** (निसं)। नयी शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के क्रियान्वयन की दिशा में कार्य करते हुए जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान(डाईट) कोटा में राज्य स्तरीय शोध सर्वे की छह दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को किया गया। उद्घाटन सत्र में' मुख्यधारा की शिक्षा के साथ ऑनलाइन शिक्षा के समन्वय की उपादेयता' विषय परचर्चा हुयी। यह कार्यशाला कोटा, सीकरव सिरोही के फील्ड इंटरेक्शन एंड इनोवेशन कोर्डिनेटर (आईएफआईसी) द्वारा डाईट कोटा के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ सत्यनारायण शर्मा ने शैक्षिक शोध के विभिन्न चरणों की अवधारणा को विस्तार से समझाया। डाईट प्रधानाचार्य चारुमित्रा सोनी ने कहा कि लचीलापन, कम लागत, दूर बैठे विशेषज्ञों से भी नेट के माध्यम से सहज सम्पर्क उपलब्धता के कारणों से ऑनलाइन टीचिंग की लोकप्रियता बढ़ी है। यूजीसी ने भी उच्च शिक्षण संस्थानों को 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसेब्लेंडिड टीचिंग नाम दिया गया है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष मंजेश चौरसिया, प्रभारी अब्दुल जावेद चिश्ती व गायत्री मालव उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन प्रदीप अग्निहोत्री ने किया।

### अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

**कोटा,** (निसं)। यूथ एक्शन फॉर सोसायटी के संस्थापक संरक्षक चन्दू पांचाल ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल नयापुरा मे बालिका दिवस मनाया गया, संस्था के जिला कॉर्डिनेटर एडवोकेट अमर लाल ने बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों की जानकारी दी, उन्हें जानकारी दी कि यदि कोई भी बच्चा मुसीबत में फंसे हो तो उन्हें उसकी जानकारी 1098 पर कॉल करके देनी चाहिए ताकि उसकी मदद हो सके मदद, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चाइल्ड लाइन नोडल अधिकारी यज्ञदत्त हाडा रहे, व अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रियंका सिंह ने की, हाड़ा ने बच्चियों को बाल विवाह, गुट टच बेड टच की जानकारी दी, वहीं अमर लाल ने बच्चियों को मानसिक तनाव से कैसे दूर रहे और कैसे बचे समझाया, कार्यक्रम में स्कूल प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहा, इस दौरान संस्था के वरिष्ठ सदस्य विक्रम कलोसिया, नीरज सिंह, भी मौजूद रहे।

### पथरी के ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा

**छीपाबडोद** (निसं)। छीपाबडोद में उपजिला कलेक्टर के नाम ग्राम पथरी की भूमि काला टोल की आबादी भूमि में नपाए जाने के क्रम में ज्ञापन सौंपा है। नायब तहसीलदार त्रिलोकचंद शर्मा को सौंपे ज्ञापन के अनुसार आबादी 100 घरो से उपर आती हे जनजाति, अनुचित जाति के लोग निवास करते चले आ रहे हैं। उक्त ग्राम परवन वृहद परियोजना के अन्तत डूब क्षेत्र में आ गया है। उक्त ग्राम को ग्राम कालाटोल आबादी भूमि मे जिला कलेक्टर बांरा ने आवंटित कर आदेश जारी कर दिये , किन्तु आज तक भी उक्त आदेश को पालना नहीं की जा रही है। इस दौरान गजराज मीणा,जतिन, अरविंद मीणा ग्राम पंचायत कलमोदिया, मनीष, चिंटू, बबलू, लवकुश, नरेश, जगदीश, पानाचंद समेत ग्रामीण धरने मे मौजूद रहे। यहां ईनके समर्थन में युवा कांग्रेसी नेता बृजराज बोरखेडी भी पहुचे थे ओर समझाईश की।

### सीता भाटी गैर सरकारी सदस्य मनोनीत

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कोटा से एकमात्र सीता भाटी को राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड में गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर सीता भाटी को सदस्य नियुक्त करने पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनको बधाई दी है। सीता भाटी वर्तमान में जेल सलाहकार समिति कोटा की भी सदस्य है। इससे पूर्व सीता भाटी वर्ष 2013 में भी राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड में भी सदस्य रह चुकी है। सीता भाटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का आभार जताते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया जाएगा।

### प्रथम आने पर नगद राशि सौंपी

**डग** (निसं)। राजीवगांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल में डग पंचायत समिति की ग्राम पंचायत डोडी की गर्ल्स टीम जिला स्तर पर कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त कर डग लौटने पर पंचायत समिति के प्रधान कार्यालय पर प्रधान प्रतिनिधि भैरोसिंह परिहार बापू से मिलकर अपने अनुभव सुनाए जिस पर खेल प्रेमी ओर छात्राओ का उत्साह बढ़ाते हुए परिहार द्वारा टीम को उपहार स्वरूप ग्रामीण प्रतिभाओ को 35 हजार रुपये की नगद राषि भैंट कर उज्वल भविष्य की कामना की,जिस पर छात्राओ ने परिहार की नेक दिली की सराहना करते हुए टीम की ओर से आभार जताया, आपको बता दे कि पूर्व में ब्लॉक स्तर पर विजेता टीम के लिए भी परिहार द्वारा खेलो को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत को 50 लाख की घोषणा कर चुके है।

### श्रद्धांजलि सभा आज

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण शिरोमणि पंडित भंवरलाल शर्मा (विधायक सरदारशहर) की स्मृति में सर्व-समाज की ओर से श्रद्धांजलि सभा 12 अक्टूबर, बुधवार को शाम 4.30 बजे से 5.30 तक टीलेश्वर महादेव भवन, घोड़े वाले चौराहे पर रखी गई है। सपरिवार उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

# खराबा सिर्फ फसलों में ही नहीं कांग्रेस सरकार की नीयत में भी : वसुन्धरा राजे

**कोटा,** (निसं)। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा है कि खराबा सिर्फ फसलों में ही नहीं है, कांग्रेस सरकार की नीयत में भी है। इस बेमौसम की बारिश से कई जिलों में खरीफ की फसल में तबाही हो गई, पर सरकार को फुरसत ही नहीं है।

इस अतिवृष्टि में हुए खराबे की 5 लाख से अधिक किसानों ने शिकायत दर्ज करवाई है, यह आंकड़ा तो मामूली है। इनके अलावा प्रदेश में लाखों किसान ऐसे है, जिनको शिकायत करने की प्रक्रिया ही मालूम नहीं है।

राज्य सरकार बीमा प्रक्रिया सरल करे और शिकायत को 72 घंटे की सीमा से मुक्त करे। आुंकलन करा किसानों को तत्काल मुआवजा दें। उनके साथ सांसद दुष्यन्त सिंह भी थे। राजे ने कहा है कि किसानों को कांग्रेस सरकार ने गत वर्ष हुए खराबे का भी मुआवजा नहीं दिया।

सोयाबीन का बीमा क्लेम अभी भी बाकी है। पूर्व सीएम ने मंगलवार को झालावाड़, बारां, टोंक, बूंदी, भीलवाड़ा और कोटा जिले में हुए फसली नुकसान का हवाई सर्वे कर कहा कि इस बारिश ने किसान को बड़ा नुकसान दिया है। सोयाबीन, मूंग,

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने फसल खराबे की जानकारी लेते हुए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है।

उड़द, धान (चावल), मूँगफली, ज्वार, बाजरा व मक्का में बड़ा नुकसान है लेकिन इस सरकार के पास किसानों के आंसू पोंछने का भी वक्त नहीं है।

पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सरकार के समय निश्चित समय सीमा में मुआवजा दिया जाता था।पहले 50 प्रतिशत या इससे अधिक खराबे पर ही किसानों को मुआवजा मिलता था, लेकिन हमारी सरकार के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निवेदन कर इस नियम को 33 प्रतिशत पर करवाया।

# जन्मदिवस पर भुवनेश गुप्ता ने एसडीपी डोनेट की

■ उत्तरप्रदेश से आए कोचिंग छात्र को एसडीपी डोनेट करने 13 लोग पहुंचे

**कोटा,** (निसं)। कोटा कोचिंग का नाम देश दुनिया में अपनी अलग ही पहचान रखता है, कॅरियर सिटी को केयर सिटी बनाने में यहां के समाजसेवियों की अहम भूमिका हैं, जिसमे टीम जीवनदाता के संयोजक व लायंस क्लब के रीजन चेयरमैन भुवनेश गुप्ता रक्त रत्न के रूप में नियमित, निस्वार्थ और निर्बाध रूप से कार्य कर रहे हैं।

मंगलवार को उनके जन्म दिवस पर भी उन्होंने एक कोचिंग छात्र को एसडीपी डोनेट कर अपना जन्मदिवस प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया। भुवनेश गुप्ता ने बताया कि जन्मदिवस पर वैसे तो कई बार रक्तदान किया, लेकिन मंगलवार को लखिमपुर उत्तर प्रदेश निवासी कोचिंग छात्र धनन्जय सिंह जो कोटा में कोचिंग कर रहा है, उसे प्लेटलेट की आवश्यकता होने पर उसके परिजन परेशान हैरान हो गए। सभी जगह से एक ही नाम सामने आया कि भुवनेश गुप्ता व्यवस्था करवा देंगे। जन्मदिवस पर व्यस्तता होने के बावजूद हमेशा की तरह मैसेज भेजा, कोचिंग छात्र होने की वजह से हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ गई। उसके बाद क्या था, एक के बाद एक लोग तलवंडी स्थित अपना ब्लड बैंक पहुंचने लगे। इस मौके को भुवनेश गुप्ता भी गवाना नहीं चाहते थे, क्योंकि जन्मदिन पर सेवाकार्य का बड़ा मौका था। इस यादगार लम्हों पर यदि कोई ईश्वरीय कार्य हो जाए तो इससे अच्छा कुछ नहीं था। उन्होंनें बी पॉजिटिव एसडीपी डोनेट कर कोचिंग स्टूडेंट के परिजनों को उपलब्ध कराई। इस भाव को देखकर स्टूडेंट के परिजन भाव विभोर हो गए उन्होंने कहा कि इस अनजान शहर में कोई अपना मिल गया और अब उनसे खून से खून का रिश्ता बन गया।

**नाम परिवर्तन**

मैंने अपना पुराना नाम तेजवीर से बदलकर नया नाम तेजवीर सिंह चौहान रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

**पता-तेजवीर सिंह चौहान पुत्र बहादुर सिंह सिविल लेन रघुनाथ मंदिर के पास खण्ड गांवडी कोटा**

**नाम परिवर्तन**

मैं हरीश खण्डेलवाल मैंने अपने पुत्र का पुराना नाम सत्तयम से बदलकर नया नाम सत्तयम खण्डेलवाल रख दिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

**पता-सत्तयम खण्डेलवाल पुत्र हरीश खण्डेलवाल B-17 राम भवन सिविल लाईन्स नयापुरा कोटा ( राज.)**

## महिला अधिवेशन का समापन

**कोटा,** (निसं)। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से त्रिदिवसीय शंखनाद 2022 का आगाज जिस भव्यता के साथ किया गया था उसी भव्यता से समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन समारोह मुख्य अतिथि लाडपुरा विधायक कल्पना देवी व अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, सभापति महासभा श्याम सुंदर सोनी, अखिल भारतीय महासभा उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला, संभागीय आयुक्त दीपक नंदी, एलन मानधना परिवार के गोविंद माहेश्वरी, पुरस्कार प्रायोजक युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या, घनश्याम लाठी, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश मंत्री महेशचंद अजमेरा, किरण व सुनीता मानधना सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।विधायक कल्पना देवी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कोटा का सौभाग्य की इतना विशाल आयोजन कोटा की धरती पर आयोजित किया गया। उन्होंने कहा लघु नाटिकाओं के माध्यम से जिस प्रकार परिवार समन्यव, एकता की बात समझाई गई वह काबिले तारिफ है किसी भाषण से उसे हम अन्य लोगों तक, उस हद तक नहीं पहुंचा सकते है।

# परम्परागत व्यवसाय की प्रेरणा के लिए एसडीएम कनवास की अनूठी पहल

**कोटा,** (निसं)। गांवों में परम्परागत रूप से मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्भकारों के व्यवसाय को बढ़ावा देने एवं स्थानीय नागरिकों को दीपावली के अवसर पर पर्यावरण अनुकूल मिट्टी के दीपक खरीद को प्रेरित करने के लिए कनवास उपखण्ड अधिकारी ने ग्राम पंचायतों के सहयोग से अनूठी पहल करते हुए पुरूस्कार योजना शुरू की है।

उपखण्ड अधिकारी कनवास राजेश डागा ने बताया कि कई परम्परागत व्यवसाय विलुप्त होने की कगार पर हैं, जिसका मुख्य कारण विदेशी वस्तुओं का अत्यधिक आकर्षित होना है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा गांव के लोगों को रोजगार मिले इसके लिए दीपावली पर मिट्टी के दीपक खरीद को प्रोत्साहन के लिए ग्राम पंचायतों के सहयोग से पुरूस्कार योजना शुरू की है। उन्होंने बताया कि कुम्भकार द्वारा या मिट्टी का कार्य करने वाले व्यवसायों से मिट्टी के दीये की ही खरीददारी करने से परम्परागत व्यवसाय भी जीवित रहेगा एवं गांव के लोगों को गांव में ही रोजगार मिल जायेगा, पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होगा। खण्ड विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीना ने सभी ग्राम पंचायतों के माध्यम से अच्छी व्यवस्था करने एवं ग्रामीणों को अधिक से अधिक मिट्टी के दीये खरीदने के लिए आव्हान किया। उन्होंने बताया कि इस कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए उपखण्ड प्रशासन, पंचायत समिति द्वारा अनूठी पहल करते हुए ग्राम पंचायतों एवं भामाशाहों के सहयोग से लगभग 50 हजार के पुरस्कार वितरित किये जायेंगे, जिसमें प्रति 20 मिट्टी दीपकों की खरीद पर एक कूपन दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि कुम्भकारों या मिट्टी दीपक विक्रेताओं के माध्यम से कूपन दिये जायेंगे, दीपावली पश्चात इन कूपनों से लॉटरी निकाली जायेगी जो 217 पुरस्कारों की लॉटरी होगी।

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि प्रथम पुरस्कार एक फ्रिज, द्वितीय पुरस्कार कूलर, तृतीय पुरस्कार तीन मिक्सी, चौथा पुरस्कार हेलमेट, पांचवा पुरस्कार दीवारी घड़ी होगी। उन्होंने बताया कि इस कार्य को करने में प्रत्येक ग्राम पंचायत द्वारा 2 हजार रूपये, पंचायत समिति सदस्य महावीर मेरोठा ने 5 हजार 100 रूपये, स्थानीय जनप्रतिनिधि नरेन्द्र सोनी ने 2 हजार 100, कमल ने 2 हजार 100, कौशल सोनी द्वारा 11 हेलमेट का सहयोग दिया जायेगा। बैठक में सरपंच ग्राम पंचायत देवलीमांझी शकुन्तलाबाई, सरपंच ग्राम पंचायत बालूहेड़ा महावीर बैरवा, सरपंच ग्राम पंचायत खजूरी मोतीलाल मीना, सरपंच ग्राम पंचायत कनवास बीना खटीक, सरपंच बास्याहेड़ी रामकल्याण, पंचायत समिति सदस्य महावीर मेरोठा, समाजसेवी नरेन्द्र सोनी, कौशल सोनी, समाज सेवी व धूलेट सहकारी समिति के व्यवस्थापक घनश्याम नागर उपस्थित रहे।

सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा कार्य की सराहना करते हुये कहा कि सभी ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र में कुम्हार समाज को अधिक से अधिक मिट्टी के दीये, सामग्री तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से मिट्टी की सामग्री खरीदने के लिए सार्वजनिक रूप से अनाउंसमेट भी करेगी, जिससे की मिट्टी के बनी सामग्री की अधिक से अधिक बिक्री हो सके एवं इनकी बैठने की व्यवस्था ग्राम पंचायत में या सहकारी भवन या ग्राम पंचायत द्वारा अन्य निर्धारित जगह पर की जायेगी।

## विधवा को एक महीने का राशन दिलाया

**रामगंजमंडी,** (निसं)। शहर की एक विधवा को एक महीने का राशन दिलाने पर उसके पूरे परिवार ने युवादल दुआएं दी है। मंगलवार को अजय मीणा पंचायत समिति सदस्य ने युवादल सचिव राजकुमार पारख को मारुति नगर में रहने वाली कमलेश बाई की खराब आर्थिक हालात से अवगत करवाया था। कमलेश बाई के पति बजरंगलाल प्रजापति की 3 माह पूर्व मौत हो गई थी। कमलेश बाई के चार छोटी लड़कियाँ हैं। इस परिवार की हालत दयनीय है। राजकुमार पारख ने महिला को तुरंत बुलाया और एक महीने का पूरा राशन दिलवाया।

**विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रेम बाई पत्नी श्री दुर्गाशंकर पारेता का एक मकान संख्या 73 एवं श्री मुकेश पारेता पुत्र श्री दुर्गाशंकर पारेता का एक मकान संख्या 74 वाके आनन्दपुरा आवासीय योजना कोटा राजस्थान में स्थित है। उक्त संपत्ति में से मकान संख्या 73 से संबंधित मूल लीज डीड बहक सोहन लाल एवं पॉवर ऑफ अटार्नी बहक दुर्गाशंकर पारेता एवं मकान संख्या 74 से संबंधित मूल लीज डीड बहक गुमानी लाल नागर कहीं गुम हो गए है। इस संबंध में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट भी श्री दुर्गाशंकर पारेता जी के द्वारा पुलिस थाना इटावा एवं सायबर थाना में दर्ज कराई गई है।

यह कि अब श्री नीरज पारेता पुत्र श्री परमानन्द पारेता उक्त दोनों मकानों को क्रय करना चाहते है और इसलिए उन्होंने मेरे पक्षकार बैंक सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया कोटा में ऋण हेतु आवेदन किया है। इसलिए उक्त संपत्तियों के मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे एवं अधिकार के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी एवं अमान्य समझी जावेगी।

कोटा दिनांक : 10.10.2022

भवदीय
महेन्द्र राय जैन, एडवोकेट

**कार्यालय वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक रीको लिमिटेड, मामा भान्जा तृतीय चरण झालावाड़**
**आम सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि औद्योगिक क्षेत्र ग्रोथ सेन्टर, झालावाड़ जिला झालावाड़ में आवंटित भूखंड संख्या एच 1-75 के आवंटी मैसर्स विशाल स्टोन के प्रो. श्री प्रकाश चन्द पालीवाल पुत्र स्व. श्री रामनारायण की मृत्यु दिनांक 24.07.2022 को हो जाने के कारण उनके वारिसान द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं पंजीकृत हकत्याग दिनांक 18.08.2022 का प्रस्तुत कर मूल आवंटी के सगे पुत्र श्री विशाल पालीवाल पुत्र स्व. श्री प्रकाश चन्द पालीवाल आयु 27 वर्ष के पक्ष में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर हस्तान्तरण करने हेतु दिनांक 14.09.2022 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। भूखण्ड की वसीयत नहीं करवायी गई है।

इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति यदि मूल आवंटी के सगे पुत्र श्री विशाल पालीवाल पुत्र स्व. श्री प्रकाश चन्द पालीवाल आयु 27 वर्ष के पक्ष में उक्त उल्लेखित दस्तावेजों को आधार पर हस्तान्तरित करने में किसी वारिसान/व्यक्ति/वित्तियी संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इसकी सूचना इस विज्ञप्ति के जारी होने की तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर दे। अगर 30 दिवस के भीतर कोई आपत्ति या सूचना प्राप्त नहीं होती है तो प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखंड के लीज होल्ड राईट्स मूल आवंटी के सगे पुत्र श्री विशाल पालीवाल पुत्र स्व. श्री प्रकाश चन्द पालीवाल आयु 27 वर्ष के पक्ष में करने की कार्यवाही की जायेगी।

इकाई प्रभारी रीको लि., झालावाड़

# श्रीजी हॉस्पिटल में प्रसव कालीन सतत शिक्षा का आयोजन

**कोटा,** (निसं)। श्रीजी हॉस्पिटल (मदर एण्ड चाइल्ड केयर) एवं भारतीय शिशु अकादमी हाड़ौती शाखा के संयुक्त तत्वाधान में प्रसवकालीन सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. वेदप्रकाश गुप्ता (अध्यक्ष- भारतीय शिशु अकादमी, हाड़ौती शाखा) ने स्वागत उद्बोधन दिया।

विभिन्न सत्रो के दौरान डॉ. अनुराधा अग्रवाल (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने दूध पिलाने में विफलता, डॉ. एम. पी. सिंह (शिशु रोग विशेषज्ञ) ने पूरक आहार, डॉ. प्रिया गुप्ता (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने प्रसव पूर्व सोनोग्राफी के आनुवंशिक दृष्टिकोण पर, डॉ. दीपक मित्तल (नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ) ने मां की स्व: प्रतिरक्षित बीमारियों के भ्रूण पर प्रभाव पर प्रकाश डाला।

समापन सत्र में डॉ. नीता जिन्दल (वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ) ने श्रीजी हॉस्पिटल द्वारा मां एवं शिशु की सम्पूर्ण देख-रेख में दी जाने वाली विश्वस्तरीय व आधुनिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में हाड़ौतीभर से आए लगभग 128 शिशु रोग विशेषज्ञों एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कोटा के श्रीजी हॉस्पिटल में प्रसव कालीन शिक्षा प्रदान की गई है।

**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 2799 | **जाहिर आम सूचना** | दिनांक - 11.10 .22

आवास संख्या 1-जी-5 कुन्हाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल पुत्र श्री धन्नालाल खण्डेलवाल को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री राजेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र श्री धन्नालाल खण्डेलवाल के नाम दिनांक 17.11.2018 को किया गया। पंजीयन उपरान्त श्री राजेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र श्री धन्नालाल खण्डेलवाल द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 19.11.2008 को श्री विवेक जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द जैन को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री विवेक जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द जैन द्वारा मुख्तारनामा आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 23.07.2009 को श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हेम चन्द शर्मा को किया गया। श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हेम चन्द शर्मा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हेम चन्द शर्मा के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हेम चन्द शर्मा का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हेम चन्द शर्मा के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

**राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

क्रमांक 2667 | **जाहिर आम सूचना** | दिनांक - 30.9.22

आवास संख्या 2/277 गणेश तालाब कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री सीताराम रावत पुत्र श्री राम सहाय को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री सीताराम रावत पुत्र श्री राम सहाय के नाम दिनांक 24.12.1994 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्री सीताराम रावत पुत्र श्री राम सहाय द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 17.04.2002 को श्री पदम कुमार जैन पुत्र श्री भैरुलाल को किया गया। श्री पदम कुमार जैन पुत्र श्री भैरुलाल द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 20.02.2007 को श्री वीरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री श्रृषभ बाल जैन को किया गया। श्री वीरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री श्रृषभ बाल जैन का नाम दिनांक 10.01.2020 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। श्री वीरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री श्रृषभ बाल जैन की मृत्यु दिनांक 21.01.2020 को हो चुकी है। श्री वीरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री श्रृषभ बाल जैन द्वारा अपने जीवनकाल में वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 13.09.2018 को अपनी पत्नी श्रीमती अंजना जैन पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार जैन को किया गया। श्रीमती अंजना जैन पत्नी स्व. श्री विरेन्द्र कुमार जैन द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम वसीयत नामा के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती अंजना जैन पत्नी स्व. श्री विरेन्द्र कुमार जैन के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती अंजना जैन पत्नी स्व. श्री विरेन्द्र कुमार जैन का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती अंजना जैन पत्नी स्व. श्री विरेन्द्र कुमार जैन के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

# जिला कलेक्टर ने कुंवारती मण्डी का निरीक्षण किया

**बून्दी** (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ रविन्द्र गोस्वामी ने मंगलवार को कृषि उपज मंडी कुंवारती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने मण्डी समिति द्वारा किये जा रहे किसान व व्यापारी हित के कार्यों पर संतोष जताया। जिला कलेक्टर ने मण्डी परिसर में निर्माणधीन ग्रेडिंग सोर्टिंग प्लांट का जायाजा लेकर तकनीकी स्टाफ से प्लांट के कार्य संचालन की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने किसान कलेवा योजना, मण्डी मे संचालित इन्दिरा रसोई संचालन के बारे में भी जानकारी ली। जिला कलक्टर ने राष्ट्रीय कृषि बाजार के ऑक्शन सेन्टर जाकर ऑयल टेस्टिंग लेब, मेट मशीन की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि मंडी में जींस लेकर आने वाले किसानों को आर्गेनिक खेती के लिए प्रेरित किया जावे। इस दौरान उन्होंने बारिश से भीगी माटून्दा के किसान की धान की फसल की जानकारी भी ली। जिला कलक्टर ने मण्डी में खाली जगह को साफ करवाकर अस्थाई पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने मण्डी लेट आउट प्लान देखकर मण्डी के माल की निकासी के लिये एक अतिरिक्त गेट खोलने के भी सचिव को निर्देश दिये। जिला कलेक्टर निरीक्षण के दौरान किसानो से चिरंजीवी योजना में पंजीयन के बारे में जानकारी ली। साथ ही मण्डी में माल बेचने आये किसानो की मांग पर इन्दिरा रसोई के माध्यम से मण्डी के अंतिम छोर तक खाना पुहंचाने के भी निर्देश दिये। इस दौरान कलक्टर के साथ तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान मण्डी सचिव मोहनलाल जाट, उपनिदेशक कृषि रमेशचन्द जैन, आढतियां संघ अध्यक्ष अनिल जैन, सचिव सुनील सखवाल, संरक्षक गणेश भाया, मदनगोपाल आदि मौजूद रहे।

नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण (राज.)

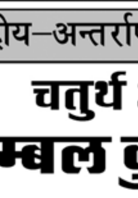

129 वाँ राष्ट्रीय मेला दशहरा - 2022

राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय वुशू फाइटर्स की होगी फाइट

चतुर्थ अखिल भारतीय चम्बल वुशू टाईटल कप

दिनांक - 12 से 14 अक्टूबर 2022
स्थान - श्रीराम रंगमंच, दशहरा मैदान, कोटा
समय - प्रात: 9 से सांय 6 बजे तक
उद्घाटन आज प्रात: 10.00 बजे

सम्माननीय अतिथि

श्री अमित धारीवाल, कांग्रेस नेता
श्री डॉ. जगदीश सोनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोटा
श्री डॉ. हंसराज मीना, कार्डियोलॉजिस्ट, न्यू मेडिकल कॉलेज, कोटा
श्री महेन्द्र शर्मा, पूर्व न्यासी
श्री श्याम सिंह जादौन, अध्यक्ष, युवक कांग्रेस
श्री रमेश सोनी, अध्यक्ष, स्वर्ण रजत मार्केट

विजय श्री रंगमंच पर आज दि.12.10.2022 रात्रि 8.00 बजे

बाल प्रतिभाओं के कला कौशल का अद्भुत नजारा

बाल प्रतिभा कार्यक्रम

सम्माननीय अतिथि

श्रीमती सुनीता डागा, अति. आबकारी आयुक्त कोटा
श्रीमती अनुपमा टेलर, भू प्रबंध अधिकारी, कोटा
श्रीमती उमा शर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक ( महिला अपराध )
श्रीमती ममता तिवारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, कोटा

बेस्ट ब्राईडल मेकअप प्रतियोगिता विजय श्री रंगमंच पर आज रात्रि 7.00 बजे

आप सादर आमंत्रित हैं।

मेला दशहरा एवं अन्य उत्सव आयोजन समिति
समस्त पार्षदगण, अधिकारी एवं कर्मचारी नगर निगम, कोटा उत्तर/दक्षिण

राज.संवाद / सी / 22 / 8888

# सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के तीन आईसीयू पर ताले

## 150 करोड़ रुपये की लागत से बने एसएसबी में ऑपरेशन के लिए तीन महीने की वेटिंग

बीकानेर, (कासं)। डेढ़ सौ करोड़ की लागत से तैयार सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में भर्ती मरीजों की तकलीफ कम होने की बजाय बढ़ रही है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने एसएसबी में ओपीडी के बाद आईपीडी की सेवाएं तो शुरू कर दी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति नहीं की। एसएसबी में कुल पांच आईसीयू बने हैं, लेकिन संचालन केवल दो का ही हो रहा है। स्टाफ नहीं होने से तीन पर ताले लगे हैं। मरीजों को ऑपरेशन के लिए तीन महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

एसएसबी में पीडियाट्रिक सर्जरी और न्यूरो सर्जरी के आईसीयू ही संचालित हो रहे हैं। करीब एक महीने पहले यहां गैस्ट्रो सर्जरी शुरू की गई, लेकिन डॉक्टर की कमी के कारण मरीजों के ऑपरेशन टालने पड़ रहे हैं। जीआई सर्जरी के एक डॉक्टर और एक नर्सिंग स्टाफ के भरोसे ऑपरेशन थियेटर चल रहा है। जीआई सर्जरी के लिए सप्ताह में केवल एक दिन निर्धारित है।

लंबे अर्से बाद एसएसबी में जीआई सर्जन की नियुक्ति के बावजूद मरीजों को ऑपरेशन के लिए तीन-तीन महीने का इंतजार करना पड़ रहा है। ऑपरेशन की बढ़ती वेटिंग लिस्ट के कारण पिछले एक महीने में मरीजों को मजबूरन इलाज के लिए दूसरे जिलों का रुख करना पड़ा। असल में एसएसबी में आनन-फानन में गैस्ट्रो सर्जरी डिपार्टमेंट तो शुरू कर दिया,

■ बढ़ती वेटिंग लिस्ट के कारण मरीज दूसरे जिलों की ओर रुख कर रहे हैं

लेकिन सीनियर डॉक्टर की मदद के लिए एक भी पीजी, जूनियर या सीनियर रेजिडेंट को नहीं लगाया। ऑपरेशन थियेटर और वार्ड में आठ नर्सिंग कर्मियों की जरूरत है, लेकिन वहां भी मात्र तीन नर्सिंग कर्मी लगे हैं।

डॉ.सुनील डांगी, गैस्ट्रोलॉजिस्ट का कहना है कि ऑपरेशन की वेटिंग लगातार बढ़ रही है। सप्ताह में एक दिन ऑपरेशन-डे है। ऐसे में एक माह में 4 ऑपरेशन ही कर सकूंगा। प्रिंसिपल और सुपरिटेंडेंट को बार-बार सहयोगी डॉक्टर और ऑपरेशन-डे बढ़ाने को कहा, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम निकल कर नहीं आ रहे।

डॉ. गिरीश प्रभाकर, सुपरिटेंडेंट एसएसबी का कहना है कि यह सही है कि एसएसबी में स्टाफ की कमी के कारण डॉक्टर्स को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसका असर मरीजों पर भी पड़ रहा है। स्टाफ की पूर्ति के लिए राज्य सरकार और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को अवगत करवा दिया है। स्टाफ मिलने पर बंद पड़े आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर की संख्या को बढ़ाया जाएगा।

## अवैध कॉम्प्लैक्सों के निर्माण से हो रहा राजस्व घाटा

चूरू, (कासं)। नगरपरिषद क्षेत्र चूरू में बहुमंजिला अवैध कॉम्पलेक्सों के निर्माण से राजस्थान सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

■ नगर परिषद क्षेत्र चूरू में अवैध निर्माण करने का मामला

उल्लेखनीय है कि चूरू जिला मुख्यालय पर करोड़ों की लागत से व्यवसायिक कॉम्पलेक्सों का अवैध निर्माण धड़ल्ले से चल रहा है। सार्वजनिक धर्मशाला चैरिटेबल ट्रस्टों की जमीनों पर नगर परिषद प्रशासन मिलीभगत कर एवं सुविधा शुल्क लेकर अवैध निर्माण की आवासीय भवन की स्वीकृति देकर बहुमंजिला व्यवसायिक कॉम्पलेक्सों का निर्माण करवा रहा है। इस संबंध में जन जागरूकता संस्था के पदाधिकारियों ने चूरू में फैल रहे अवैध निर्माणों के जाल को रोकने के लिए आयुक्त व कलेक्टर को समय-समय पर कई बार ज्ञापन दे दिए हैं। शहर में चर्चा है कि चूरू नगर परिषद में कई वर्षों से एक ही स्थान पर बैठे कर्मचारियों की लग्जरी गाडियां संकेत देती हैं कि किस कदर नगर परिषद चूरू के कर्मचारी व नेता भ्रष्टाचार में शामिल हैं।

# पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते नगर पालिका खेडली ईओ ट्रैप

अलवर, (निसं)। ईओ किंगपाल सिंह को एसीबी ने अलवर में 5 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। धौलपुर में उनकी नगर परिषद के पास शानदार कोठी है, जहां भी छापे की कार्रवाई की गई। ईओ ने पालिका क्षेत्र में अवैध रूप से बनाई गई दुकानों को नहीं तोड़ने के एवज में रिश्वत मांगी थी। एसीबी की टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। खास बात यह है कि परिवादी को पुत्रवधू भी नगर पालिका में पार्षद हैं। वैध पट्टाशुदा जमीन पर बने निर्माण को तोड़ने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी।

■ अवैध दुकानों को नहीं तोड़ने की एवज में रिश्वत मांगी थी

इस ट्रैप की कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के पार्षद व नेता प्रतिपक्ष राजकुमार जैन ने कहा कि पालिका ईओ का भ्रष्टाचार चरम पर था। दुकानों को नहीं तोड़ने के एवज में रिश्वत मांगी थी। पालिका के सबसे बडे अफसर को एसीबी ने पकड़ा है जो पालिका में रावण की तरह बैठे हैं। अब इस रावण का अंत हुआ है। जिससे जनता का भला होगा।

ईओ किंगपाल सिंह जाट ने

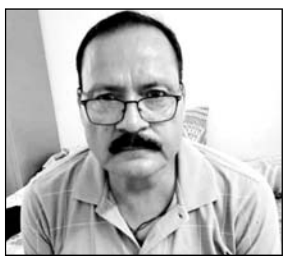

आरोपी ईओ किंगपाल सिंह

खेरली में जगदीश ठेकेदार की पट्टाशुदा व वैध जमीन पर बने निर्माण मय दुकानों को तोड़ने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी। धमकी दी थी कि 11 अक्टूबर की सुबह दुकानों पर बुलडोजर चला देंगे। इसकी शिकायत एसीबी को देने के बाद ईओ किंगपाल सिंह जाट को एसीबी ने ट्रैप कर लिया। ईओ धौलपुर का रहने वाले हैं। धौलपुर में ईओ किंगपाल सिंह की आलीशान कोठी है। एसीबी ने अलवर में उन्हें 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिशासी अधिकारी के धौलपुर गौरव पथ पर बने मकान पर एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सुबह से छापामार कार्रवाई चल रही है। कार्रवाई के दौरान मेन गेट को बंद कर दिया गया। जहां घर में मौजूद लोगों से एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है।


**In The High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur**

S.B. Civil Writ Petition No. ________/2022

Any one Vs. State Bank of India

Application under Rule 159 of Rajasthan High Court Rules for entering into CAVEAT

May it please Your Lordships

Your Lordship's humble applicant wants to enter into caveat under Rule 159 of the Rajasthan High Court Rules and let nothing be done till the applicants are heard in the matter. The particulars of the writ which is likely to be filed are given below:

The writ may be filed by the following persons:-

1) Anyone

That the writ is likely to be filed against- State Bank of India, through its Assistant General Manager, HR Department, Local Head Office, Jaipur

That the S.B./D.B. writ petition is to be filed challenging recruitment of Armed Guards in SBI.

That Vakalatnama on behalf of AGM, HR Department, SBI, LHO, Jaipur is submitted herewith. It is therefore, humbly prayed that nothing be done in the case till the applicants are heard.

Humble Applicant
Through Counsel

(Anita Aggarwal / Laxmikant), Advocates


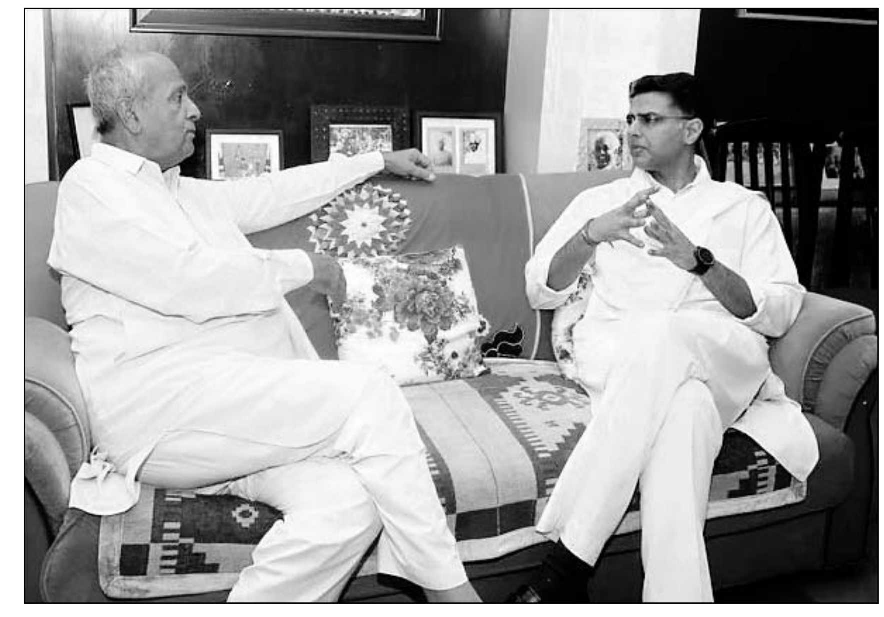

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने हाड़ौती दौरे पर कोटा में पूर्व मंत्री और वर्तमान में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक भरत सिंह से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की। इन दिनों सचिन पायलट कांग्रेस के विधायकों से मुलाकात का क्रम जारी रखे हुए हैं।

## बालिका का अपहरण

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के भितरी क्षेत्र के एक हिस्से से सोमवार दोपहर 3 बजे बाद एक काली वेन में सवार होकर आये चार अज्ञात बदमाशों ने एक छोटी बालिका को अगवा कर लिया, लेकिन अपहरणकर्ता शहर के दूसरे क्षेत्र में जैसे ही रुके और गाडी से नीचे उतर गये। बालिका ने सुझबूझ व हिम्मत दिखाते हुए पीछे की डिक्की को खोलकर उनके चंगुल से आजाद होकर भाग गई। बालिका कुछ लोगों की मदद से देर शाम तक अपने घर पहुंच गई। घटनाक्रम के अनुसार सहेली को पुस्तक देने जा रही बालिका को वेन में सवार होकर आये युवको ने पहले उसे सीट पर पकड कर बैठा लिया। और उसके बाद पीछे के हिस्से में डाल दिया। वह उसे घुमाते हुए कही ले जाने की बात कर रहे थे। इस दौरान बालिका ने हिम्मत जुटा कर पीछे की डिक्की का दरवाजा खोलकर वहां से भाग छूटी। बालिका के जाने का मार्ग भी एक सीसीटीवी कैमरे में फुटेज मिला। हालांकि अपहरकर्ताओं की गाडी का पता नहीं चला पाया है।

# अग्निवीर भर्ती रैली 29 सितंबर से 14 अक्टूबर तक

जयपुर, (कासं)। जयपुर और सीकर जिलों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) जयपुर द्वारा 29 सितंबर से 14 अक्टूबर 2022 तक आयोजित की जा रही है। मीडिया के कुछ वर्गों में यह बताया गया है कि कोटपुतली तहसील को कोटपुतली और पावटा तहसीलों में विभाजित करने के कारण, नई पावटा तहसील के अभ्यर्थियों ने कोटपुतली तहसील के तहत पंजीकरण कराया था, लेकिन उन्होंने पावटा तहसील का अधिवास प्राप्त किया और कोटपुतली तहसील के लिए निर्धारित दिन रैली में भाग नहीं ले सके।

■ जयपुर और सीकर जिले के लिए की तिथियों की घोषणा

■ पावटा तहसील के आवेदनकर्ताओं के लिए सेना भर्ती रैली 13 अक्टूबर को

नागरिक प्रशासन ने अधिसूचित किया है कि परिसीमन 2019 से प्रभावी हो गया है। तदनुसार, इस तरह के परिसीमन के प्रभावी होने के तीन साल बाद उम्मीदवारों से सही तहसील के तहत पंजीकरण करने की उम्मीद की जाती है। तथापि, पावटा तहसील के एकमुश्त उपाय के रूप में, जिन्होंने कोटपुतली तहसील के दिन रिपोर्ट किया था और रैली में भाग नहीं लिया था, उन्हें 13 अक्टूबर 2022 को रैली में उपस्थित होने का अवसर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार एडमिट कार्ड ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट से डाउनलोड करें।


**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा. विभाग वृत-करौली**

PH.No.-07464-250327 Email-secircle.kar.hped@Rajasthan.gov.in

**बोली आमंत्रित करने की सूचना (एनआईटी संख्या 19-21-2022-23)**

ब्लॉक करौली, ब्लॉक मण्डरायल एवं ब्लॉक सपोटरा में 125 एमएम.व्यास हैण्डपम्प के निर्माण के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 17-10-2022 शाम 06.00 बजे तक बोली आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण ऑनलाइन वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा का अनुमानित मूल्य रुपये 147.00 लाख।

NIB:-PHE2223A3748

UBN:-PHE2223WSOB07590, PHE2223WSOB07594, PHE2223WSOB07596

अधीक्षण अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत करौली

DIPR/C/12963/2022



**कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर**

क्रमांकःलेखा/निविदा/2022/4278 दिनांकः-30.09.2022

**ई-निविदा सूचना संख्या 60/2022-23**

राजकीय सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर में विभिन्न सामग्री/मानव संससाधन की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो/गैर सरकारी कम्पनी/पंजीकृत ठेकेदार/पंजीकृत वाणिज्यक संस्थायें आदि से (द्विपक्षी) ई-निविदा दिनांक 18.10.2022 को दोपहर 12:00बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें कार्यालय के नोटिस बोर्ड राजकीय पोर्टल http://sppp.raj.nic.in अथवा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्थगित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।

UBN No. MHS2223SLOB03771, MHS2223GLRC03772

(डॉ. बी.एल.मीना)
प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय सवाईमाधोपुर

DIPR/C/12966/2022



**Office of The Superintending Engineer, Water Resources Circle, Kota**

No.:SE/WR/KOTA/e-N IB-05/2022-23/3183-216 DATE: 30.09.2022

**e-NIT No.- 07 /2022-23**

Bids for following work is invited from interested bidders from 06.10.2022 (9:30 Hr) to 17.10.2022 till 18:00 Hr. Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.nic.in, www.dipr.rajasthan.gov.in & www.water.rajasthan.gov.in.

1. Repair and Renovation of seljer anicut Borabas
2. Repair and Renovation of Ramsagar Talav Rawatha
3. Repair and Renovation of Foot Talav

UBN No. 1. WRD2223WSOB01438, 2. WRD2223WSOB01439
3. WRD2223WSOB01440

NIB CODE : WRD2223A0389

DIPR/C/12905/2022

Superintending Engineer
Water Resources Circle, Kota


# रेजिडेंट चिकित्सकों का दो घंटे कार्य बहिष्कार जारी

अजमेर, (कास)। ऑल राजस्थान रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के आव्हान पर अजमेर संभाग के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के रेजिडेंट चिकित्सकों ने मंगलवार को चौथे दिन भी 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर राज्य सरकार और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। राजस्थान रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर अभिषेक ने बताया कि अपनी 8 सूत्री मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर रहे रेजिडेंट चिकित्सकों ने मंगलवार को चौथे दिन भी 2 घंटे कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर रहे।

डॉ. अभिषेक ने बताया कि राज्य सरकार से कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की जयपुर में वार्ता हुई जिसमें पांच मांगों पर सर्वसम्मति से सहमति बन गई है, लेकिन अभी भी तीन मांगों पर सहमति होना बाकी है, यदि उनकी बाकी तीन मांगों पर सरकार ने कोई सकारात्मक रुख नहीं अपनाया तो रेजीडेंट चिकित्सक आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन की योजना तैयार करके संपूर्ण हड़ताल पर शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2021 में रेजिडेंट व सरकार के बीच हुए समझौते का कोई निस्तारण नहीं हुआ है।

सेवारत और गैर सेवारत रेजिडेंट डॉक्टर्स के सर्विस ब्रांड को वैकल्पिक रखने, कॉलेज के सभी विभागों में एमआर के पद सृजित करने, सर्जित पदों में 50 प्रतिशत गैर सेवारत व 50 प्रतिशत सेवारत डॉक्टर्स के लिए आरक्षित रखने की मांग है। इसके अलावा 2020 बैच के थीसिस पेपर, पोस्टर व प्लगरिसम में शिथिलता प्रदान करने, सहायक आचार्य की नियुक्ति की उम्र 46 साल करने सहित 8 सूत्री मांगें हैं। उन्होंने बताया कि बाकी पांच मांगों पर सहमति बनी है, लेकिन जो तीन मांगें हैं उनमें रेजिडेंट चिकित्सकों से जो पीजी कर रहे हैं, उनसे सर्विस बॉन्ड भरवाने की बाध्यता को समाप्त करने की मांग प्रमुख है। उन्होंने कहा कि रेजिडेंट चिकित्सक सुबह 9 से 11 बजे तक 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

## प्राध्यापक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित

अजमेर, (कासं)। प्राध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 के तहत ग्रुप-ए की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज में 61.45, एग्रीकल्चर विषय में 54.31 तथा गणित विषय की परीक्षा में 62.81 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए उपस्थित हुए।

आयोग सचिव ने बताया कि प्रथम दिवस सुबह 9 से 10.30 बजे जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज की परीक्षा में 110991 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। द्वितीय पारी में दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित एग्रीकल्चर विषय की परीक्षा के लिए 3180 अभ्यर्थियों को पंजीकृत किया गया था। इनमें से 1727 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया। इसी प्रकार गणित विषय की परीक्षा के लिए पंजीकृत 25337 अभ्यर्थियों में से 15914 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को 9 जिला मुख्यालयों पर सुबह 9 से 12 बजे तक 87 केंद्रों पर बायोलॉजी, 10 केंद्रों पर म्यूजिक तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक 88 केंद्रों पर कॉमर्स एवं 44 केंद्रों पर फिजिक्स विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

# हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक को सस्पेंड करने की मांग

हनुमानगढ़, (निसं)। पूर्व विधायक पवन दुग्गल ने रोडवेज के हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया पर फर्जीवाड़े से प्रमोशन हासिल करने सहित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ आगार के मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया को सस्पेंड करने की मांग की। किसान नेता और पूर्व विधायक पवन दुग्गल ने आरोप लगाया कि उनका भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से विश्वास पूरी तरह उठ गया है। जितनी भी शिकायत की, किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिलों के कई लोग ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने एसीबी की मदद की, लेकिन वे आज रोते घूम रहे हैं।

घड़साना में एडवोकेट विजय झोरड़ को पुलिस ने प्रताड़ित किया तो उन्होंने आत्महत्या कर ली। हनुमानगढ़ रोडवेज आगार के कई कर्मचारी मुख्य प्रबंधक दीपक भोबिया से प्रताड़ित हैं। मुख्य प्रबंधक भोबिया ने विकलांगों और बुजुर्गों के पास में घोटाला किया। दीपक भोबिया ने खुद फर्जीवाड़ा कर प्रमोशन ले लिया। दुग्गल ने कहा कि रोडवेज कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए जिसकी अनुमति मुख्यालय से नहीं ली गई और कहां-कहां लगाए जाने हैं उसका नक्शा भी पास नहीं करवाया गया। मुख्य प्रबंधक ने खुद के कक्ष में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगवाए, क्योंकि वहां सबसे ज्यादा गलत काम किए जाते हैं। राजस्व कक्ष में भी सीसीटीवी कैमरे नहीं लगवाए गए जबकि वहां की सुरक्षा की सबसे ज्यादा जरूरत है। पूर्व विधायक का आरोप है कि दीपक भोबिया ने अपने खास महिला कंडक्टर को तीसरे बच्चे पर मातृत्व अवकाश दिया और भुगतान भी दिया।

मुख्य प्रबंधक की ओर से कार्यालय की तीन महिला कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इनमें बुजुर्ग महिला भी शामिल है। महिला कर्मचारी के परिवार पर खुलेआम हमला किया गया। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है। दीपक भोबिया के लिए विजय छाबड़ा रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हो चुका है। दीपक भोबिया ने अपने ससुर प्यारेलाल को बुकिंग दे रखी है। दोनों मिलकर रोडवेज को लूट रहे हैं। आगार में सीनियर कर्मचारी होने के बाद भी जूनियर तृतीय को प्रबंधक प्रशासन के पद पर लगाया है।

## पात्रता जांच 1 से 4 नवंबर तक

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच 1 नवंबर से 4 नवंबर 2022 तक की जाएगी। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा इस परीक्षा के तहत 449 अभ्यर्थियों की विचारित सूची 30 सितंबर 2022 को जारी की गई थी। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच के लिए काउंसलिंग आयोग कार्यालय में निर्धारित कार्यक्रमानुसार प्रातः एवं सायं सत्र में संपादित की जाएगी। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशानुसार विस्तृत आवेदन-पत्र तथा निर्धारित प्रपत्रों को भरना होगा। आवेदन-पत्र दो प्रतियों में समस्त प्रविष्टियां सहित भरकर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियों की एक-एक प्रति संलग्न कर मूल दस्तावेजों सहित काउंसलिंग लेटर में उल्लेखित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा।


**Rajasthan Foundation**

Jaipur : Yojana Bhawan, Yudhishthir Marg, C-Scheme, Jaipur-302005, Rajasthan (India), New Delhi : Room No. 210, 1st Floor, Bikaner House, Pandara Road, New Delhi-110011 (INDIA)

No. : RF.7 (120 )/Social Media/2022/1684 Date : 10/10/2022

**CORRIGENDUM**

**EXTENSION IN DUE DATE OF NOTICE INVITING BIDS**

The due date & time for various Bid Processing events of Bid for Social Media Operations Management (UBN No. RFO2223SLOB00007) for Rajasthan Foundation is hereby extended as following :-

| Event | Previous Date | Extended Date |
|---|---|---|
| Submission of Original DDs/ Banker Cheque or Proof of Submission of Bid Fee, RISL Processing Fee and Bid Security Fee | End Date : 10.10.2022 till 2.00 PM | End Date : 17.10.2022 till 2.00 PM |
| Last Date and Time of submission of e-bid on eProcurement portal | End Date : 10.10.2022 till 2.00 PM | End Date : 17.10.2022 till 2.00 PM |
| Date of opening of technical bids | 10.10.2022 at 3.00 PM | 17.10.2022 at 3.00 PM |

Originals DDs/Bankers Cheques of all these fees will be deposited physically in Rajasthan Foundation Jaipur Office before schedule last date & time.

Raj.Samwad/C/22/8887

Commissioner


# कानोता में हुई लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

## वारदात में प्रयुक्त एक देशी कट्टा, दो कारतूस एवं कार बरामद

जयपुर, (निसं)। कानोता थाना इलाके में आठ अक्टूबर को थाना इलाके में स्थित राजकीय महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास सामाजिक न्याय संकुल परिसर जामडोली जयपुर में पढ़ने वाली छात्रा से कैम्बे गोल्फ रोड पर हुई लूटपाट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उनके पास से वारदात में प्रयुक्त एक देशी कट्टा, दो कारतूस एवं कार बरामद की है। वही पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जांच करने में जुट गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) राजीव पचार ने जानकारी देते हुए बताया कि कानोता थाना इलाके में आठ अक्टूबर को थाना इलाके में स्थित कैम्बे गोल्फ रोड पर गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली लडकी के साथ हुई लूटपाट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने तस्वी शर्मा (35), राहुल जाट (24) और दाऊ (24) को गिरफ्तार किया गया है और तीनों ही कुम्हेर जिला भरतपुर के रहने वाले है। आरोपित हथियार दिखाकर डरा धमकाकर राह चलती महिला से पर्स आदि छीन ले जाते है।

जामडौली में हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट करने वाले आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

मुल्जिमान शराब पीने एवं नशे करने के आदि है जो नशे एवं मौजमस्ती के लिये सुनसान जगहों पर राह चलती महिलाओं एवं व्यक्तियों को हथियार दिखाकर मारपीट व डरा धमकाकर लूटपाट जैसी वारदातों को अंजाम देते है। अभियुक्तगण कार रखते है जिससे उन शक नहीं किया जा सके। अभियुक्त सन्नी द्वारा कार को 10-15 दिन पूर्व ही घटनाओं को अंजाम देने हेतु खरीदा गया है। अभियुक्तगणों से जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्राधिकार में हुई लूट की अन्य वारदाते खुलने की संभावना है।

# नरमा कपास की तुलाई में काट से रोष, मंडी पर लगाया ताला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर में नरमे की तुलाई में काट से परेशान किसानों ने कस्बे की कृषि उपज मंडी समिति के गेट पर ताला लगा दिया। इससे बिक्री के लिए न तो ट्रैक्टर ट्रॉलियां मंडी के अंदर आ सकी और न ही मंडी के अंदर आई ट्रॉलियों को बाहर जाने का रास्ता मिला। इन किसानों का कहना था कि मंडी में आने वाले नरमे की तुलाई में व्यापारी प्रति क्विंटल पर काट लगाते हैं। यह गलत है। इससे किसान को नुकसान हो रहा है। किसानों ने सुबह करीब ग्यारह बजे मंडी के गेट पर ताला लगाया जिसे दोपहर बाद चार बजे वार्ता के बाद खोला गया।

■ व्यापारी प्रति क्विंटल की तुलाई में करते है आधा किलो की कमी

■ व्यापारियों का तर्क है कि नरमा कपास पड़ा रहने पर सूखता है

रायसिंहनगर की कृषि उपज मंडी समिति में इन दिनों नरमे (कॉटन) की आवक शुरू हो गई है। यहां जो किसान नरमा लाते हैं, उसे व्यापारी तुलवाने के बाद इस पर प्रति क्विंटल आधा किलो की कमी करके भुगतान करते हैं। इसके पीछे व्यापारियों का तर्क है कि नरमा पड़ा रहने पर सूखता है, अभी इसमें नमी होती है और वजन ज्यादा होता है।

इसके साथ ही किसानों का कहना था कि उनका नरमा व्यापारियों के पास लाने के बाद भी कई बार देरी में पड़ा रहता है। इससे यह सूख जाता है और उन्हें नुकसान होता है। उन्होंने नरमे को तुलाई करवाकर सीधे फैक्ट्री भिजवाने की मांग की। इससे पहले किसानों के मंडी गेट पर ताला लगाने की सूचना मिलने पर तहसीलदार नवीन गर्ग और कार्यवाहक मंडी सचिव डीएल कालवा मौके पर पहुंचे। इन लोगों ने किसानों से वार्ता शुरू की लेकिन चार घंटे तक चली पहले दौर की वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकला। दूसरे दौर की वार्ता में शाम करीब चार बजे आश्वासन के बाद किसान माने और मंडी का गेट खोला।


**राजस्थान सरकार**
**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता एवं स्वाथ्य**

राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग-भरतपुर 231001- (राज.)

eembbhnaratopur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in

Mob. 9602097030

क्रमांक/M&H/2022-23/2116 दिनांक 30/09/2022

**निविदा सूचना संख्या-14/2022-23**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/धौलपुर/करौली में रु. 383.50 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.diprionline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB code MHS2223A2131 and UBN NO. is MHS2223WSOB0383; UNB is :MHS2223WSOB0384, UNB is :MHS2223WSOB0385 UNB is :MHS2223WSOB03786; UBN is MHS2223WSOB03787 UBN is: MHS2223WSOB03788 and UBN is :MHS2223WSOB03789.

(एल.के.अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/12965/2022



**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत करौली**

क्रमांक 2304-2315 दिनांकः-30.07.2022

**निविदा सूचना संख्या 04/2022-23**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वृत करौली के अन्तर्गत खण्ड हिण्डौनसिटी एवं टोडाभीम में शेष कार्य रिन्यूवल ऑफ नॉन पेचेबल रोड अण्डर एसआरएफ के तहत 15 सड़क निर्माण कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिए उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB NO.
UBN NO. पैकेज संख्या RJ-22-04/SRF/NP 5054/2017-18
UBN NO. पैकेज संख्या RJ-22-09/SRF/NP 5054/2017-18
UBN NO. PWD2223WSRC08766, PWD2223WSOB08729

(राजवीर सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत करौली

DIPR/C/12904/2022

# गलता गेट इलाके में वृद्धा के पैर काटकर चांदी के कड़े लूटने वाला बदमाश गिरफ्तार

## आरोपी 3-4 साल पहले वृद्धा के घर में किराये पर रहता था, खुद का 4 लाख रु. कर्ज न चुका पाया तो हत्या और लूट की वारदात कर डाली

जयपुर के गलता गेट इलाके में 108 वर्षीय वृद्धा जमुना देवी के पैर के पंजे काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश प्रकाश प्रजापत ( बायें से चौथे ) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ( क्राइम ) अजय पाल लांबा ने मंगलवार को पत्रकारों से रूबरू होकर मामले का खुलासा किया।

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर**। राजधानी जयपुर के गलता गेट इलाके में रविवार अलसुबह 108 वर्षीय वृद्धा जमुना देवी के पैर के पंजे काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित प्रकाश प्रजापत 3-4 साल पहले वृद्धा के मकान में ही किराए पर रहता था और तब से ही उसकी नजर इन चांदी के कड़ों पर थी। आरोपी खुद का कर्ज न उतार पाया तो उसने वृद्धा जमुना देवी की हत्या और लूट की साजिश रची। उधर सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती वृद्धा की मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण मौत हो गई।

- उधर अधिक खून बहने के कारण सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती वृद्धा जमुना देवी की मंगलवार को मौत हो गई
- आरोपी प्रकाश प्रजापत गलता गेट इलाके में वृद्धा के मकान के नजदीक ही रहता था, उसे घर और बाहर के सभी रास्ते मालूम थे, लेकिन वारदात के बाद भागते वक्त वह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (क्राइम) अजय पाल लांबा ने बताया कि गलता इलाके में रविवार अलसुबह 108 वर्षीय वृद्ध महिला जमुना देवी के पैर काट कर चांदी के कड़े लूटने वाले प्रकाश प्रजापत (27) निवासी टोडा मीणा रायसर जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से लूटे गए चांदी के कडे भी बरामद किए गए है। जो लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित जयपुर छोड़कर फरार हो गया था। जिसे ट्रेडिशनल पुलिसिंग और टेक्निकल इनपुट के आधार पर गिरफ्तार किया है।

डीसीपी उत्तर परिस देशमुख ने बताया कि कुछ साल पहले आरोपित प्रकाश प्रजापत बुजुर्ग महिला के मकान में किराए से रहता था और उसके बाद मकान खाली करके पास में ही अन्य दूसरे मकान में किराए से रहने लगा। आरोपित अय्याशी और घूमने-फिरने का शौक़ीन है। इस कारण उस पर काफी कर्जा हो गया। कर्ज चुकाने के लिये उसे धन की अत्यंत आवश्यकता थी। चूंकि आरोपित पीड़िता के मकान में पहले किराए से रहा था तथा अब भी वह पास में किराए से रह रहा था, इसलिये वह जमुना देवी की शारीरिक-पारिवारिक स्थिति से पूरी तरह वाकिफ था। उसे यह भी मालूम था कि बुजुर्ग होने की वजह से पीड़िता खुद चल-फिर पाने में असमर्थ है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित प्रकाश प्रजापत का कुछ साल पहले उसका सड़क दुर्घटना में पैर टूट गया था और इलाज में चार लाख का खर्चा हुआ। इसके बाद वह इस कर्ज को चुका नहीं पा रहा था। आए दिन पैसे मांगने वाले उसके घर आते थे। इस पर उसने महिला को मारने का प्लान बनाया।

पुलिस को वारदात में सबसे पहला शक आस-पास के लोगों और परिजन पर गया था। महिला के मकान में 11 किराएदार रहते हैं। पुलिस की जांच इन पर ही लगी हुई थी। वृद्धा के मकान में सब्जी बेचने वाले किराएदार सुबह 4 बजे उठ जाते हैं, लेकिन रविवार के कारण उठे नहीं या फिर क्या कारण रहा। घर के चौक में सब्जी भी रखी थी। इसी आधार पर पुलिस ने वारदात के खुलासे के लिए के लिए वृद्धा के मकान में रहने वाले किरायेदारों से पूछताछ की। साथ ही ऐसे किराएदार जो पूर्व में मकान में रह कर गए हैं, उनकी भी जानकारी जुटाई गई। इसके साथ ही वारदात स्थल से लेकर हाईवे पर लगे हुए हजारों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को पुलिस ने खंगाला। सैकड़ों संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। जब पुलिस पड़ताल करते हुए आरोपित प्रकाश प्रजापत के किराए के मकान पर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। ऐसे में पुलिस का शक उस पर गहरा हो गया और पुलिस की एक टीम उसके पीछे लगा दी गई।

आरोपित प्रकाश प्रजापत इसी कॉलोनी में कई सालों तक वृद्धा के यहां किराए रहा था। उसे घर में घुसने और घर से बाहर निकलने के वह तमाम रास्ते पता थे। जहां पर किसी की भी नजर नहीं जाती। यही कारण रहा कि उसने वारदात की और मौके से निकल गया। एक जगह कंस्ट्रक्शन होने के कारण वह दूसरे रास्ते से निकला। इससे वह सीसीटीवी की कैद में आ गया। पुलिस को वहीं से लीड मिली और उसके बाद पुलिस आरोपी प्रकाश प्रजापत तक पहुंची।

## लूट का खुलासा करने वाले कांस्टेबल को प्रमोशन

कांस्टेबल प्रधान

**जयपुर** (कासं)। गंगापोल गेट स्थित मीणा कॉलोनी में 108 वर्षीय जमुना देवी के पैर काटकर चांदी के कड़े लूटने वाले बदमाश को ढूंढने वाले कांस्टेबल प्रधान को प्रमोशन मिला है। हजारों लोगों की भीड़ में अपराधी को पहचान करके वारदात का खुलासा करने पर उसे यह पदोन्नति मिली है।

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि बुजुर्ग महिला भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में रहती थी और यहां पर इस तरह की वारदात होना गंभीर मामला है। लेकिन लोगों की आवाजाही में सबसे पहले आरोपी की पहचान कांस्टेबल प्रधान ने की। इस पर पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर ने कांस्टेबल प्रधान को गैलेंट्री प्रमोशन देने की घोषणा की है।

# राजस्थान में 32 नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

- मंगलवार को कोटा में 8 और जयपुर में 5 नए मरीज सामने आए हैं।

**जयपुर**। प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमण के 32 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 31 रोगी ठीक हुए हैं। राज्य में फिलहाल 274 एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में मंगलवार को 12 जिलों में 32 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को इनकी संख्या 21 रही थी। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित कोटा में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 5, अलवर में 4, चितौड़गढ़ में 3, बारां, राजसमंद, सीकर व उदयपुर में 2-2 तथा पाली, जोधपुर, बीकानेर और भरतपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8713 जांचें की गई।

प्रदेश में मंगलवार को एक बार फिर रिकवरी में कमी आई है। इस दौरान 31 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 274 हो गए हैं। हालांकि जयपुर में 13 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 54 रह गए हैं। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9644 लोगों की मौत हो चुकी है। जयपुर में मंगलवार को 5 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बापू नगर, बरकत नगर, जगतपुरा, जौहरी बाजार और शाहपुरा में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

## तेजी से कृषि कनेक्शन जारी करने के निर्देश

**जयपुर**, (का.सं.)। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना की अध्यक्षता में मंगलवार 11 अक्टूबर को विद्युत भवन के कान्फ्रेन्स हॉल में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजत हुई, जिसमें विभिन्न कार्यों तथा योजनाओं की चालू वित्त वर्ष में सितम्बर माह तक हुई प्रगति की सर्किलवार विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में निदेशक वित्त, मुख्य लेखा नियंत्रक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतर्कता, संभागीय मुख्य अभियन्ता सहित निगम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी 12 जिलों के अधीक्षण अभियन्ता व लेखाधिकारी उपस्थित रहे।

सक्सैना ने मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार कृषि कनेक्शन देने के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी सर्किल अधीक्षण अभियन्ता को कनेक्शन जारी करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि निर्धारित समयावधि में लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इसके लिए आवश्यक सामान की पर्याप्त उपलब्धता है। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में कृषि कार्य हेतु किसानों को निर्धारित ब्लॉक के अनुसार बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

## जेएलएफ में 250 से ज्यादा वक्ता भाग लेंगे

**जयपुर**, (का.सं.)। दुनिया का सबसे बड़ा साहित्यिक उत्सव, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर से गुलाबी नगरी में दस्तक देने वाला है। जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में, 19-23 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाले उस फेस्टिवल में साहित्य, किताबों और विचारों की धूम रहेगी।

अपने 16वें संस्करण में यह आइकोनिक फेस्टिवल दुनिया भर के श्रेष्ठ वक्ताओं के साथ विभिन्न विचारों, मतों, संगीत, कला, व्यंजन और कारीगरी की अनुपम छटा प्रस्तुत करेगा। फेस्टिवल में 5 वेन्यू और 250 से ज्यादा वक्ताओं के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओँ और अनेकों विदेशी भाषाओँ का प्रतिनिधित्व किया जायेगा। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी ये फेस्टिवल अपने अनोखे प्रोग्राम से सुसज्जित है, जिसमें कथा, कथेतर, व्यंजन, इतिहास, करंट अफेयर्स तक के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे।

## परिचित ने किया युवती से दुष्कर्म का प्रयास

**जयपुर** (कासं)। प्रताप नगर इलाके में युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। मेला दिखाने के बहाने परिचित उसे घर से लेकर गया था, बाद में खाली पड़े मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। प्रताप नगर थाने में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि सेक्टर-17 प्रताप नगर निवासी 20 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आरोपी अशोक सांगानेर कृषि अनुसंधान नगर का रहने वाला है। वह उसके पिता का परिचित है। पिता का परिचित होने के कारण आरोपी अशोक का घर पर आना-जाना है।

दशहरा की शाम आरोपी अशोक उनके घर आया था। कुछ देर बैठकर घर पर बातचीत की। जिसके बाद मेला दिखाने के बहाने उसे ले गया। प्रताप नगर में श्मशान के पास एक खाली मकान में ले गया।

कमरे में ले जाकर आरोपी ने उसके साथ रेप का प्रयास किया। जैसे-तैसे आरोपी के चुंगल से भागकर पीड़िता अपने घर पहुंची। गुमशुम रहने के दौरान परिजनों के दबाव बनाकर पूछने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। गुस्साएं परिजन पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे। आरोपी परिचित अशोक के खिलाफ पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई।

# कांग्रेस को सरकार में रहने का नैतिक अधिकार नहीं : अरूण सिंह

**जयपुर**। राजस्थान कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले थे सियासी घटनाक्रम पर प्रदेश भाजपा के प्रभारी अरुण सिंह ने भी हमला बोला है। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा विधायक और मंत्रियों के सामूहिक इस्तीफे के बाद गहलोत सरकार को नैतिकता के आधार पर सरकार में रहने का हक नहीं है। अरुण सिंह ने आज भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जब मंत्रियों-विधायकों का सामूहिक इस्तीफा हो जाता है तो फिर सरकार का अस्तित्व नहीं रहता है। विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को भी मंत्री और विधायकों के इस्तीफे स्वीकार करने चाहिए, अरुण सिंह ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इस्तीफा देने के बाद आखिर किस अधिकार से मंत्री और विधायक सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। यह राजस्थान की जनता के साथ बहुत बड़ा धोखा है और आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

- 'विधानसभा स्पीकर सी.पी.जोशी को इस्तीफे करने चाहिए स्वीकार'

अरुण सिंह ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हर काम में केवल दोषारोपण की राजनीति करते हैं और विपक्ष के नेताओं पर दोष मंढते हैं। उन्होंने 4 साल में दोषारोपण के अलावा और कोई काम नहीं किया। राजस्थान की जनता इनसे बहुत नाराज है और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाएगी।

इधर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के 20 और 21 अक्टूबर को कोटा संभाग के दौरे को लेकर अरुण सिंह ने कहा कि उनका दौरा ऐतिहासिक होगा उनके दौरे को लेकर तैयारियां चल रही हैं। जेपी नड्डा के दौरे से पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी नए जोश का संचार होगा और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का परचम लहराएगा।

## श्रेया गुहा नैफ्सकॉब की निदेशक निर्वाचित

**जयपुर**, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा नेशनल फैडरेशन ऑफ स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक (नैफ्सकॉब) का निदेशक निर्वाचित किया गया है। आईजोल, मिजोरम में सम्पन्न आमसभा में संचालक मण्डल के रिक्त पदों के लिए चुनाव में श्रेया गुहा, सहकारिता एवं प्रशासक, दि राजस्थान स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को सर्वसम्मति से संचालक (निदेशक) निर्वाचित की गई है। नैफ्सकॉब देश के सभी राज्यों के शीर्ष सहकारी बैंकों के प्रबंधन का राष्ट्रीय फोरम है।

नैफ्सकॉब देश के ग्रामीण सहकारी बैंकों से संबंधित विषयों में नाबार्ड, भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारत सरकार के ध्यान में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## आरसीए के चुनाव पर 18 अक्टूबर तक रोक जारी

**जयपुर**, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरसीए चुनाव पर लगी अंतरिम रोक को 18 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरसीए को जवाब के लिए समय देते एक सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दौसा जिला क्रिकेट संघ व अन्य जिला संघों की याचिका पर दिए। वहीं मामले में हाईकोर्ट की ओर से पूर्व में मुख्य चुनाव अधिकारी रामलुभाया, प्रमुख खेल सचिव और सहकारिता रजिस्ट्रार सहित अन्य को नोटिस की तामील नहीं हुई है।

सुनवाई के दौरान आरसीए की ओर से कहा गया कि उन्हें याचिका पर विस्तृत जवाब पेश करना है। इसलिए उन्हें समय दिया जाए। इस पर अदालत ने आरसीए को जवाब के लिए 18 अक्टूबर तक का समय दिया है। वहीं अदालत के सामने आया कि अन्य पक्षकार को जारी नोटिस की तामील नहीं हुई है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी।

## 'कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर मन भावुक हुआ'

**जयपुर/झुंझुनूं**। जयपुर से झुंझुनूं जाते समय केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। शेखावत ने कहा कि यात्रा के दौरान झुंझनूं में पार्टी के सिपाहियों का उत्साह देखकर मन में भावुकता उमड़ आई। सोशल मीडिया पर फोटो साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि इस स्वागत में औपचारिकता का निशान नहीं, पूर्णतया अपनापन मिला।

## 95 पुलिस अफसरों का सम्मान आज

**जयपुर**। प्रदेश के 39 आईपीएस अफसरों के साथ-साथ विभिन्न जिलों में तैनात पुलिस अफसरों, मंत्रालयिक वर्ग एवं राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक समेत 95 पुलिसकर्मियों को बुधवार को सम्मानित किया जायेगा। महानिरीक्षक पुलिस कार्मिक एस परिमाला ने बताया कि डीजीपी एम.एल.लाठर इन 95 अफसरों को डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल, पुलिस पदक, उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केंद्रीय गृहमंत्री पदक प्रदान करेंगे।

# अब कांग्रेस आलाकमान की कार्यवाही का इंतजार, माफी मिलेगी या होंगे बाहर

**जयपुर**, (का.प्र.)। राजस्थान में 25 सितंबर को कांग्रेस आलाकमान की ओर से एक लाइन का प्रस्ताव पास करवाने के लिए बुलाई गई विधायक दल की बैठक का गहलोत गुट के विधायकों की ओर से बहिष्कार किया गया था। इसके साथ ही संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी, जिसके बाद कारण बताओ नोटिस का सामना कर रहे मुख्य सचेतक महेश जोशी ने कांग्रेस की अनुशासन समिति को नोटिस का जवाब भेज दिया है।

- समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले में महेश जोशी ने भी भेजा कारण बताओ नोटिस का जवाब, शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ पहले ही भेज चुके हैं अपने जवाब
- 25 सितंबर को आलाकमान की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर धारीवाल के निवास पर समानांतर बैठक बुलाने और विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे देने का मामला

दरअसल राजस्थान में 25 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। विधायक दल का नेता चुने जाने को लेकर प्रभारी अजय माकन और पार्टी पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे सभी विधायकों से बात करने आए थे,लेकिन इस बैठक का बहिष्कार कर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी और इस बैठक में आलाकमान के खिलाफ बयानबाजी की गई थी, जिसके वीडियो भी वायरल हुए थे। इस बैठक के बाद समानांतर बैठक में मौजूद मंत्री, विधायक विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी को अपना इस्तीफा सौंपने गए थे।

इस मामले में कांग्रेस आलाकमान की ओर से 27 अक्टूबर को मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह नोटिस पर्यवेक्षक बन कर आए अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे की रिपोर्ट के आधार पर अनुशासन समिति के सदस्य तारिक अनवर की ओर से जारी किए गए थे। मंत्री शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ को तो नोटिस तय समय पर मिल गए थे, इसके चलते उन्होंने 6 सितंबर से पहले ही अपना जवाब भेज दिया था। मुख्य सचेतक और मंत्री महेश जोशी को कारण बताओ नोटिस 6 अक्टूबर को मिला था। ऐसे में उनके पास जवाब देने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय था, लेकिन महेश जोशी ने अपना जवाब नोटिस मिलने के 5 दिनों में ही 10 अक्टूबर को कांग्रेस अनुशासन समिति को भिजवा दिया है।

जोशी ने नोटिस में क्या जवाब दिया है,यह तो साफ नहीं है, लेकिन कहा जा रहा है कि महेश जोशी ने अपने नोटिस के जवाब में विधायक दल की बैठक से पहले मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हुई बैठक के लिए विधायकों को फोन करने से इनकार किया है। महेश जोशी को जो कारण बताओ नोटिस दिया गया था, उसका सबसे बड़ा कारण यही था कि महेश जोशी पर यह आरोप था कि उन्होंने मुख्य सचेतक होते हुए मुख्यमंत्री आवास पर होने वाली विधायक दल की बैठक के लिए तो फोन विधायकों को किए ही थे, उसके साथ ही मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानांतर बैठक में शाम 5 बजे शामिल होने के लिए फोन किए थे। दूसरी ओर महेश जोशी लगातार इन आरोपों से साफ इनकार करते रहे है और कहा है कि विधायक स्वेच्छा से मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर पहुंचे थे। इसके लिए विधायकों को किसी ने फोन नहीं किया था।

अब कांग्रेस आलाकमान को तीनों नेताओं के जवाब मिल चुके हैं। ऐसे में अब देखने वाली बात यह होगी कि पार्टी आलाकमान शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ की ओर से दिए गए जवाबों से संतुष्ट होता है या फिर आगे की कार्यवाही होती है। कहा यह भी जा रहा है कि 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव संपन्न होने के बाद में अब जो भी कार्यवाही होगी, वह नए अध्यक्ष के निर्देशन में ही होगी। ऐसे में सभी को 19 अक्टूबर का इंतजार है।

# बॉयफ्रेंड ने जयपुर की युवती को दिल्ली ले जाकर गैंगरेप किया

## नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर शादी की, बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर वीडियो बनाया

**जयपुर** (कासं)। नौकरी दिलाने के बहाने जयपुर की युवती को दिल्ली ले जाकर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। बॉयफ्रेंड ने नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर उससे निकाह किया और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो भी बना लिया। ब्लैकमेल कर लगातार नशीली कोल्डड्रिंक पिलाई और बेहोशी की हालात में अलग-अलग लोग गैंगरेप करते रहे। बदमाशों के चंगुल से छूटकर जयपुर पहुंची पीड़िता ने झोटवाड़ा थाने में आरोपी नदीम, मोहसीन, दानिश, नजाकत, फुरकान और नसीम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

- मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी लगवाने के बहाने दिल्ली लेकर गया था आरोपी, फिर परिवार को जान से मारने की धमकी देकर युवती को बंधक बनाया, जहां अलग-अलग लोगों ने उससे दुष्कर्म किया
- युवती के परिजन उसे तलाशते हुए दिल्ली पहुंचे तो डर के कारण पीड़िता कुछ न बोल सकी, किसी तरह पिता छुड़वाकर जयपुर लाए, अब इस्तगासे के जरिये आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 19 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह कॉम्पिशिटन एग्जाम की तैयारी कर रही है। उसे प्यार में फांसने के लिए मोहम्मद नदीम खान (37) उसके घर के आसपास चक्कर लगता था। दोस्ती होने पर दोनों में बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान उसने उसे दिल्ली में मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब लगाने का झांसा दिया। रिपोर्ट में बताया कि 2 अगस्त को सुबह करीब 4 बजे आरोपी नदीम उसे बहला-फुसलाकर घर से अजमेर भगा ले गया। एक दिन अजमेर रुकने के बाद उसे दिल्ली ले गया। दिल्ली में रहने वाले परिवाजरनों के पास उसे ले गया। जहां नदीम के साथी देखते ही बोले "या खुदा हम कामयाब हुए।" वह कुछ समझ पाती इससे पहले ही उसके निकाह की तैयारी कर ली। उसे कोल्डड्रिंक में नशा मिलाकर पिलाया।

रात करीब 1 बजे काजी को फ्लैट पर बुलाकर नदीम से निकाह करा दिया। बेहोशी ही हालत में उसके साथ नदीम ने रेप किया। सुबह होश आने पर नदीम से पूछने पर उसने अपने मोबाइल में बनाया अश्लील वीडियो दिखाया। विरोध करने पर धमकाया कि हमारा निकाह हो चुका है। तेरी भलाई इसी में है कि तू सब कुछ भूल जा। जयपुर का नाम मत लेना। समझ ले तेरे मम्मी-पापा आज से मर गए। जॉब की सारी बातें अपने दिमाग से निकाल देना। वो तो सिर्फ तुझे यहां दिल्ली लाने का बहाना था। किसी को भी अहसास करवाया तो ये अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दूंगा। तेरे पिता और भाई को मरवा देंगे, हमारा बहुत बड़ा ग्रुप है।

वहीं दूसरी ओर बेटी के घर से लापता होने पर परिजनों ने उसकी तलाश की। नहीं मिलने पर पिता ने झोटवाड़ा थाने में लापता बेटी की गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस उसे ढूंढते हुए दिल्ली पहुंच गई। लेकिन आरोपियों के डर के मारे वह कुछ भी नहीं बोल पाई और उनके पक्ष में बयान दिए। पुलिस लौट आई, इसके बाद आरोपी नदीम लगातार कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे देने लगा। मना करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। बेहोशी की हालत में उससे अलग-अलग युवक रेप करते। ज्यादातर समय नशे की हालत में रखा जाता था। होश रहने पर विरोध करने पर भी जबरन धमकी देकर गैंगरेप किया गया। पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी नदीम, मोहसीन, दानिश, नजाकत, फुरकान और नसीम ने रेप किया है।

इसके बाद 29 अगस्त को उससे मिलने के लिए मामा और मम्मी दिल्ली आए। नशे की हालत में बेटी को देखकर उसके दर्द का एहसास हुआ। घर लौटकर पति को बेटी को लाने का कहा। गत 18 सितम्बर को दिल्ली जाकर जैसे-तैसे पिता अपने साथ बेटी को वापस जयपुर लाए। चार दिन तक उसे नशे का असर रहा। धीरे-धीरे उससे सब कुछ रिकॉल हुआ। जिसके बाद इस्तगासे के जरिए नदीम समेत 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

# हम सब प्रण करें बेटियों को सक्षम और मजबूत बनाएं : जिला कलेक्टर

**बूंदी** (निसं)। अर्न्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में जिला स्तरीय बालिका सशक्तिकरण कार्यक्रम 'मेरी बेटी मेरा सम्मान' के तहत मंगलवार को नैनवां रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा बूंदी के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय बालिका मेले का आयोजन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय बालिका मेले में जिला कलेक्टर डॉ रविंद्र गोस्वामी ने शिरकत कर बालिकाओं को सम्मानित किया।

■ राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं समग्र शिक्षा संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय बालिका मेले का आयोजन

कार्यक्रम में जिला प्रमुख चन्द्रावती कंवर, नगर पालिका सभापति मधु नुवाल, जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी, पूर्व वित्त राज्यमंत्री मंत्री हरिमोहन शर्मा एवं अरबन कॉपरेटिव बैंक चेयरमेन सत्येश शर्मा ने शिरकत की। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि बेटियां करूणा और आत्मियता सिखाती है। हम सब प्रण करें बेटियों को सक्षम और मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा एनीमिया मुक्त जिले का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अपील कि महिलाएं एनीमिया की नियमित जांच कराएं, इसके लिए जांच की सुविधा निःशुल्क दी जा रही है। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी योजना में भी मातृ शक्ति अपना योगदान दें।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि महिला सक्षम और समृद्ध हो। कार्यक्रम में पूर्व वित्त राज्यमंत्री हरिमोहन शर्मा ने कहा कि युग परिवर्तनशील है। वर्तमान में प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं अपनी प्रतिभा, कौशल और जज्बे के दम पर आगे बढ रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज में व्यापक परिवर्तन हो रहा है। कार्यक्रम में बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। साथ ही आत्मरक्षा प्रशिक्षण का डेमो प्रस्तुत किया गया। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि राजकीय विद्यालय मॉडल स्कूल कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं महात्मा गांधी विद्यालयों में अध्ययनरत शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों के लिए 100 प्रतिभाशाली बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र, लोवर, टी शर्ट एवं बेहतरीन बूंदी की कैप देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अध्यापिका मंच एवं किशोरी मेले की स्टाले लगाई गई। साथ ही बालिका सशक्तिकरण के लिए संचालित किए जा रहे कार्यक्रमों की चित्रात्मक प्रदर्शनी एवं सफल महिलाओं की कहानियों पर वृत्तिचत्र दिखाया गया।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेज कंवर, एडीपीसी राजेंद्र व्यास, बालिका शिक्षा प्रभारी सुनीता कटारा मौजूद रही। कार्यक्रम के अंत में एडीपीसी राजेंद्र व्यास एवं राजेश चतुर्वेदी ने आभार जताया।

# कोटा मंडल में नये डीआरएम मनीष तिवारी ने कार्यभार संभाला

कोटा रेल मंडल के डीआरएम ने पदभार ग्रहण करके अधिकारियों से मुलाकात की।

**कोटा,** (निसं)। कोटा रेल मंडल के नये डी.आर.एम. मनीष तिवारी ने मंगलवार 11 अक्टूबर को मंडल कार्यालय में पहुंचकर डी.आर.एम. का पदभार ग्रहण करके मंडल के सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया।

मंडल सभाग्रह में आयोजित एक समारोह में अधिकारियो ने विदा लेते डी.आर.एम.पंकज शर्मा द्वारा अब तक की सेवा काल की प्रशंसा करते हुए उन्हे कोविड की अवधि में एक सराहनीय नेतृत्व प्रदान करने वाले अधिकारी बताया। सभाग्रह में उपस्थित शाखा अधिकारियों ने उनको शांत एवं कार्य के प्रति लगनशील एवं सुन्दर व्यक्तिव वाला अधिकारी बताया और भविष्य के शुभकामनाओं के साथ बधाई दी। मनीष तिवारी भारतीय रेलवे यातायात सेवा 1994 बैच के रेल अधिकारी है।

अपनी रेल सेवा के दौरान भारत सरकार के गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं रेलवे बोर्ड कार्यकारी निदेशक (पी.जी.) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। नवागत डी.आर.एम. का स्वागत अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (ओ. एंड ए.) मनोज जैन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (टी.एंड.आई.) राघवेन्द्र सारस्वत, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक तुषार सारस्वत, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक आर.के. प्रजापत, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) संजय यादव सहित समस्त शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

# अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिले की 100 बालिकाओं का सम्मान

**कोटा,** (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस जिला कलेक्टर ओपी बुनकर के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को सूचना केन्द्र में समारोहपूर्वक मनाया गया। जिसमें जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों से आई बालिकाओं ने विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किये तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि भारत की बेटियां आज विश्वभर में अलग-अलग विद्याओं में अपना नाम रोशन कर रही है, बेटियों को निडर होकर अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब सभी अभिभावकों को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्रदान कर बेटियों को सपने पूरे कराने का वक्त आ गया है। उन्होंने समारोह में उपथित बालिकाओं को मोबाइल फेसबुक आदि सोशल मीडिया से सावधान होकर रहने की सीख देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य पूरे होने तक निर्धारित मार्ग को नहीं छोड़ने का आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा ने बालिकाओं को पुलिस के द्वारा दी जा रही विभिन्न सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि निडर होकर अपनी शिकायत पुलिस तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने अभय कमांड सेंटर और अन्य कंट्रोल रूम की जानकारी के साथ-साथ अपने आप में हौसला बनाए रखने की बात कही।

दीगोद की उपखण्ड अधिकारी एचडी सिंह ने कहा कि बालिकाओं द्वारा समाज को नई दिशा प्रदान की जा रही है वह सब शिक्षा की बदौलत है। हमें बालिका शिक्षा का अनवरत गति प्रदान करने की आवश्यकता है। सेटलमेंट अधिकारी अनुपमा टेलर ने कहा कि बालिकाओं को हर क्षेत्र में अपना मुकाम प्राप्त कर प्रतिभा दिखाने का समय है।

उन्होंने कहा कि समाज में कुरूतियों को मिटाकर बालिका शिक्षा का बढ़ावा मिलेगा तो निश्चित रूप से समाज को नई दिशा मिलेगी। डॉ दीप्ति शर्मा ने सभी बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के ऊपर ध्यान देकर समाज में निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। एडीपीसी समग्र शिक्षा डॉ. उषा पंवार द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत कर अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस आयोजन के उद्देश्यों के बारे में बताया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एंबेसडर हेमलता गांधी ने कहा की हमें बेटियों को आगे बढ़ाने की बात नहीं बल्कि पुरुष और महिलाओं को बराबर दर्जे की बात चाहते हैं। बेटियों को समान हक मिलेगा तो निश्चित रूप से समाज में उन्नति आयेगी। इस अवसर पर जिले के छह ब्लॉक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली दो दो बालिकाओं को पांच 5 हजार रूपये का चेक प्रदान किया गया। ब्लॉक स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अग्रणी रही 96 बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एडीपीसी समग्र शिक्षा के पुष्कर राज, कार्यक्रम अधिकारी जगदीश सोनी को भी उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

एपीसी अजीत लुहाडिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा संचालन पुरुषोत्तम शर्मा एवं नीता डांगी के द्वारा किया गया। समारोह में नुक्कड नाटक, आत्मरक्षा प्रदर्शन एवं लोक गीतों के माध्यम से प्रतिभा का परिचय दिया गया। बालिका दिवस के समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आई बालिकाओं ने विज्ञान के मॉडल तैयार कर प्रदर्शित किए। जिनमें दैनिक जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार की प्रेरणा मिली। सुल्तानपुर ब्लॉक के राउमावि में कक्षा 11 में अध्ययनरत् छात्रा अंकिता गोचर ने "ऑपन डोर सेफ्टी डिक्टेटर" का मॉडल प्रदर्शित किया जिसमें चमगादड़ की आंखों से निकलने वाली सहूंग तरंगों के आधार पर बैंक, आवास आदि की सुरक्षा के लिए मोबाइल का उपयोग कर उपकरण तैयार किया।

इसमें अज्ञात व्यक्ति के प्रवेश करते ही सायरन बज उठता है तथा मोबाइल के माध्यम से पांच नम्बरों पर आकस्मिक मैसेज व फोन चला जाता है। इस मॉडल में कीपैड मोबाइल, सैंसर व विद्युत केबलों का उपयोग किया गया है जिसमें 8 हजार रूपये की लागत आई है। इसी प्रकार राउमावि श्रीनाथपुरम में कक्षा 11 में अध्ययनरत् छात्रा डिंपल प्रजापत ने "इलेक्ट्रीसिटी प्रोड्यूसिंग बाय जिम" के मॉडल का प्रदर्शन किया। इसमें यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में प्रवर्तित किया गया है।

## महाकाल लोक लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा

**कोटा,** (निसं)। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक भगवान महाकाल के भव्य गलियारा निर्माण जिसे महाकाल लोग का नाम दिया गया है को राष्ट्र को समर्पित किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी के आव्हान पर भाजपा शहर जिला कोटा द्वारा मंडल स्तर पर महादेव शिवालय मंदिर पर भाजपा पदाधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। एक ऐसा पक्ष जिस ओर आजादी के बाद किसी भी प्रधानमंत्री ने ध्यान नहीं दिया और जो भारत को उसकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान देने वाला भारत के मान बिंदुओं की पुनर्स्थापना।

पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य प्रारंभ किया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ मंदिर का भव्य गलियारा एवं सौंदर्यकारण, केदारनाथ धाम का कायाकल्प, चार धाम यात्रा को विश्व स्तरीय बनाना, करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण एवं दर्शनार्थियों के लिए बिना वीजा के खोलना, बुद्ध सर्किट, जैन सर्किट का निर्माण सहित ऐसे अनेकों सांस्कृतिक पुनरुत्थान के कार्य हैं, जो दुनिया में भारत की विशिष्ट पहचान को पुनर्स्थापित कर रहे हैं और भारत की एकता और अखंडता को मजबूत कर रहे हैं।

यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण ही संभव हो पा रहा है। इस कार्यक्रम को देशभर से धर्माचार्य, साधु संत, विशिष्ट जन एवं श्रद्धालु गणों ने अपनी आंखों से देखा एवं अनेकों इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

## सार-समाचार

### शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

**इटावा** (निसं)। जोरावरपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति के नवनिर्वाचित बोर्ड सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह तथा कार्यभार ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश कुमार मीणा, उपाध्यक्ष गणेशराम बैरवा ने कहा कि हम सभी मिलकर किसानों के हित के लिए कार्य करेंगे। समय पर किसानों के खाद बीज की समस्या का निराकरण करेंगे। व्यवस्थापक महावीर गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान संचालक मंडल के सदस्य अर्जुनलाल मीना, सत्यनारायण, हरिओम,नंदराम नागर,मनोज कुमार नागर, मनोज सुमन,हरिप्रकाश नागर, सुगना बाई मियाराम प्रजापत आदि मौजूद रहे।

### शरद पूर्णिमा महोत्सव मनाया

**छबड़ा** (निसं)। कस्बे की ग्रीन पार्क कॉलोनी में स्थित रामजानकी मंदिर पर षरद पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया, यहां आयोजित श्रीराम चुनो प्रतियोगिता में अंकिता अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंदिर सेवा समिति के संरक्षक प्रमोद शर्मा एवं ओमप्रकाश पारीक के अनुसार यहां संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया व धार्मिक कार्यक्रम में खीर की प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर नवल शर्मा, श्याम अहीर, देवेंद्र भार्गव, हरिओम शर्मा, हेमराज गौतम, सीताराम, सत्यनारायण, रामचरण मेहरा, रमेश जिंदल, मंजू अग्रवाल आदि ने प्रथम विजेता का स्वागत किया।

### जेल के सामने से बाइक चोरी

**छबड़ा** (निसं)। सैकुड निवासी एक व्यक्ति को यहां जेल में रिष्तेदार से मिलना उस वक्त महंगा पड़ गया जब उसकी मोटरसाईकिल जेल के सामने से ही चोरी हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी हैं। नंदकिषोर लोधा ने दर्ज रिपोर्ट मे बताया कि वह षनिवार को सैकड से यहां की जेल में किसी रिष्तेदार से मिलने आया था, तब उसने उसकी मोटरसाईकिल जेल के बाहर खड़ी कर दी थी। वापस आकर देखा तो उसकी मोटरसाईकिल चोरी हो चुकी हैं। उसने काफी ढूंढने का प्रयास किया किंतु बाईक नही मिली।

### अतिरिक्त कलेक्टर का पदभार संभाला

**बूंदी** (निसं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के 2015 बैच के आरएएस अधिकारी मुकेश कुमार चौधरी ने मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) बूंदी का पदभार ग्रहण कर लिया।श्री चौधरी इससे पहले महाप्रबंधक,राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी)जयपुर, उपखण्ड अधिकारी हिण्डोली, उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद, उपखण्ड अधिकारी मकराना के पद पर सेवाएं दे चुके हैं।

### ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

**छबड़ा** (निसं)। राजकिय महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष के लिए रिक्त स्थानों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया वापस शुरू कर दी ग है, जिसमें रिक्त स्थानों की प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन बुधवार को, मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं-मित्र पॉस्टिंग की 18 अक्टूबर व ई-मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर निर्धारित है।

# प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष शर्मा ने 20 लाख लागत के आरओ प्लांट का लोकार्पण किया

**बूंदी** (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष , पूर्व मंत्री हरिमोहन शर्मा ने मंगलवार को खटकड क्षेत्र के खड़ीबारा ग्राम में आरओ प्लांट का लोकार्पण किया।

पूर्व वित्त राज्य मंत्री हरिमोहन शर्मा ने आरओ प्लांट का लोकार्पण किया।

मुख्य अतिथि हरिमोहन शर्मा ने बताया कि भाजपा के शासन में इस क्षेत्र के अंतिम गांव खडीबारा , लोहली , बगली व केसरपुरा को सिंचाई परियोजना हेतु छोड दिया गया था जिसका चुनावी दौरे के दौरान जुड़वाने का आश्वासन दिया गया था जिसे राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री द्वारा पुरा किया और इस योजना हेतु 20 करोड स्वीकृत किए जिसकी टेंडर प्रक्रिया जारी और आगामी दिनों में वर्क आर्डर मिल जाएगा और कार्य का निर्माण चालू होगा।

शर्मा ने बताया कि इन सभी चारों गांव को पेयजल समस्याओं से निजात दिलाने हेतु नोनेरा पेयजल परियोजना में जोड़ लिया गया है जिसका प्रथम चरण में निर्माण कार्य चालू हो जाएगा और इन गांव के क्षेत्रवासियों को पीने हेतु शुद्ध पानी मिलेगा।

इस दौरान ग्रामीणों द्वारा स्कूल को मिडिल स्कूल में क्रमोन्नत करवाने की मांग की इस पर शर्मा आश्वासन दिया कि वह इसे जरूर पूरा करवाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सत्येश शर्मा ने बताया कि सभी ग्रामवासी अपना रजिस्ट्रेशन चिरंजीवी योजना में करवाएं जिससे कि 10 लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलेगा।

अशोक जैन खटकड के नेतृत्व में युवा साथियों द्वारा का 51 किलो की माला पहनाकर शर्मा का स्वागत किया।

इस दौरान पंचायत समिति बूंदी प्रधान प्रतिनिधि सत्यनारायण मीणा ,उपप्रधान रामहेत बेरवा, पार्षद टीकम जैन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बूंदी अध्यक्ष चेतराम मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष तालेडा जगरूप सिंह रंधावा, पूर्व प्रधान रघु शर्मा, जलदाय विभाग के एसई देवकीनंदन व्यास, सरपंच जगदीश मीणा, मान मल मीणा महावीर मीणा, पंचायत समिति सदस्य प्रेम बाई बैरवा, रामस्वरूप मीणा, मनवीर सिंह, पार्षद जितेंद्र मीणा, यशवंत दाधिच, शिवराज जी गुर्जर मुकुट बिहारी शर्मा, मुकेश मीणा, कमलेश मीणा अजेता, ग्रामवासी छितर लाल मीणा, शंभू राय का लेखराज मीणा, रामदेव मीणा हसन भाई, बाबूलाल मीणा धनराज मीणा, घनश्याम हर्षल सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन भोजराज मीणा ने किया।

**खटकड़ पहुंचने पर क्षेत्र वासियों ने शर्मा का स्वागत:-** प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष शर्मा का खटकड पहुंचने पर रास्ते में ग्राम अखेड , खटियाडी, खटकड चौराहे पर क्षेत्रवासियों द्वारा ढोल नगाडा, आतिशबाजी के साथ स्वागत किया।

# समरसता के साथ समाज को आगे बढ़ायें : ओम बिरला

**कोटा,** (निसं)। राजस्थान के खैराबाद में स्थित श्री फलौदी माता का इकलौता मंदिर हम सबकी अटूट आस्था का केंद्र है। यहां मेड़तवाल समाज के साथ अन्य सभी वर्गों के भक्त वर्ष पर्यंत दर्शन के लिये आते हैं। यहां नवरात्र में माता के दर्शन करके एक नई दिव्य उर्जा की अनुभूति होती है, जिससे जीवन में सात्विकता बढ़ जाती है।

■ मंदिर श्री फलौदी माताजी महाराज समिति, खैराबाद की केंद्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

अ.भा.मेडतवाल (वैश्य) समाज द्वारा संचालित मंदिर श्री फलौदी माताजी महाराज समिति की नवनिर्वाचित केंद्रीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को नई दिल्ली से समरोह को वर्चुअल संबोधित किया। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि आस्था के ऐसे पवित्र प्रांगण में शपथ ग्रहण करने वाले सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को मैं बधाई देता हूं। मैं दूर बैठकर भी फलौदी माता के दर्शन को व्यक्तिशः महसूस कर रहा हूं। मुझे कई बार मंदिर में दर्शन करने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने कहा कि समाज की नवगठित कार्यकारिणी समरसता के साथ समाज को आगे बढाने का कार्य करे। मेडतवाल समाज में प्रत्येक 12 वर्ष में बसंत पंचमी पर यहां कुंभ मेला भरता है, जिसमें देश-विदेश में रहने वाले सभी परिवार एक साथ इकट्ठा होते हैं, मिलते-जुलते हैं। ऐसी सामाजिक एकता की परंपरा और कहीं देखने को नहीं मिलती है। समारोह में पूर्व सचिव भारत सरकार आईएएस आर.एस.जुलानिया ने नवनिर्वाचित 21 पदाधिकारियों एवं 99 कार्यकारिणी सदस्यों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक कर्तव्य निवर्हन करने की शपथ दिलाई।

वरिष्ठ समाजसेवी मदनलाल दलाल ने अध्यक्षता की। समारोह में पूर्व जिला कलक्टर रमेश भंडारी, पूर्व राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप, पूर्व विधायक गिरीश भंडारी, अनिल जैन, रामगंजमडी नगरपालिका के पूर्व चौयरमेन हुकुमचंद बाफना, समाजसेवी बालकृष्ण दाख, रामगोपाल नेताजी विशिष्ट अतिथि रहे।

**प्रजातांत्रिक व्यवस्था से समाज को नई दिशा दें:-** समारोह के मुख्य वक्ता आई.ए.एस. आर.एस. जुलानिया ने कहा कि जब समाजों में आबादी और संसाधन बढ़ते हैं तो आस्था के केंद्र कर्म के केंद्र बन जाते हैं। हम कर्म के मंदिर में बैठकर अच्छे कार्य करने का संकल्प करें। पुरानी टीम ने मेले का सफल आयोजन और सेवा सदन का निर्माण पूरा कर एक दिशा प्रदान की है। नई टीम इस दिशा में आगे बढते हुये समाज की दशा को मजबूत करने पर ध्यान दे। आज ही क्षेत्र में प्रजातांत्रिक व्यवस्था से चुने लोगों पर ही समाज का विश्वास यानी ट्रस्ट होता है।

आप इस विश्वास पर खरा उतरें। समाज में संस्कारों से अनुशासन व समरसता झलकती है। वैश्य समाज दूसरों को नौकरी देता आ रहा है। हमारी नई पीढी पढ़-लिखकर अपने व्यवसाय को ओर आगे बढ़ायें। पूर्व जिला कलक्टर रमेश भंडारी ने नई टीम को बधाई देते हुये कहा कि हम समाज की तरक्की के लिये रोडमेप बनायें और उसे पूरा करने के लिये कमर कसकर जुट जायें।

आलोचनाओं पर ध्यान देना बंद कर दें। आपका हर अच्छा कार्य आगे बढने के लिये नई उर्जा देता रहेगा। समारोह को पूर्व महामंत्री गोपाल चंद गुप्ता बारवां वाले, भंवरलाल सिंगी एवं वर्तमान महामंत्री विष्णु करोड़िया ने भी संबोधित किया।

# अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर ''मेरी बेटी मेरा सम्मान'' कार्यक्रम आयोजित

**झालावाड़** (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर "मेरी बेटी मेरा सम्मान" जिला स्तरीय कार्यक्रम मिनी सचिवालय के ऑडिटोरियम में मंगलवार को जिला प्रशासन और समग्र शिक्षा अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित और विशिष्ट अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और विभिन्न ब्लॉक से आई बालिकाओं की विज्ञान, गणित एवं अन्य विषयों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बालिकाओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित और जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने ''मेरी बेटी मेरा सम्मान'' कार्यक्रम की दीप प्रज्वलन कर शुरुआत की।

इस दौरान समाज कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मीनाक्षी चंद्रावत ने अपने उद्बोधन में कहा की बालिकाओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए तैयार होना चाहिए और हमें अपने बालकों को बालिकाओं का सम्मान करने के अच्छे संस्कार बचपन से ही देने चाहिए। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से संबंधित शपथ भी दिलाई।

सरस्वती वंदना की प्रस्तुति महारानी बृज कंवर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा दी गई। कार्यक्रम में वर्ष 2020 की आईपीएस परीक्षा में 85वीं रैंक प्राप्त कर चयनित होने वाली आयुषी जैन ने सभी बालिकाओं को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उनकी सक्सेस स्टोरी का प्रदर्शन एलईडी के माध्यम से किया गया। इसके अतिरिक्त साईक्लिस्ट उज्जवला कनोड़े, धावक पूजा तेजी और ग्रेट स्कॉलर शाइना अगवान की सक्सेस स्टोरी भी दिखाई गई। उज्जवला कनोड़े ने महिलाओं को अच्छी सेहत के लिए साइक्लिंग करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी उत्तरा मेहरा ने बालिकाओं को अपनी शक्ति पहचान कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का परिचय देते हुए सहायक परियोजना समन्वयक सीताराम मीणा ने बालिकाओं को अपनी प्रतिभा को आगे लाने और अपने परिवार, समाज और देश का नाम ऊंचा करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सादिक अली खान ने बालिकाओं की समस्या और उनके निदान पर अपने विचार व्यक्त किए। महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कलेक्ट्री की छात्रा जोया खान द्वारा कविता प्रस्तुत की गई एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झालरापाटन की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। केजीबीवी असनावर की छात्राओं द्वारा मोबिन आरा और शाहीन बानो के नेतृत्व में आत्मरक्षा तकनीक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूनम रौतेला ने अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम "अब हमारा समय है - हमारा अधिकार हमारा भविष्य" और उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर संस्था द्वारा सम्मानित होने वाली बालिकाओं को टी-शर्ट और कैप का वितरण किया गया। जबकि महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के संदेश वाली टी-शर्ट और उडान योजना से संबंधित पुस्तक का वितरण किया गया। इस दौरान जिले के सभी 8 ब्लॉक से विशेष उपलब्धि प्राप्त कर चयनित 100 से अधिक बालिकाओं को प्रमाण-पत्र और प्रतीक चिन्ह वितरित किए गए।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक मोहनलाल राठौड़ ने सभी अतिथियों और अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक सत्येंद्रपाल वर्मा, एपीसी हीरालाल मेघवाल, कार्यक्रम अधिकारी समसा मनोहर लाल सोनी, स्मृति मालवीय, संतोष हाड़ा, खुशबू यादव, रितु झाला, संध्या सिसोदिया, अर्चना सक्सेना, प्रतिमा पुलक, योगिता मिश्रा, प्रभासेन, संजीदा परवेज उपस्थित रहे।

मैं अपने खिलाड़ियों पर गौरवान्वित महसूस करता हूं। इस टीम में सभी युवा खिलाड़ी थे। जब हम इस सीरीज में पिछड़ गए थे तो भी हमने दबाव नहीं लिया। हां यह बात जरूर है कि मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया - शिखर धवन

भारतीय बल्लेबाज, भारत की दक्षिण अफ्रीका पर जीत पर।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी

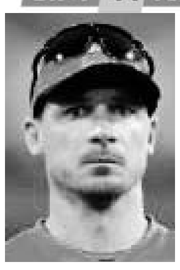

### डेल स्टेन

**दक्षिण अफ्रीका** के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी की जगह लेना किसी और गेंदबाज के लिए मुश्किल होगा और भारत को 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में उनकी कमी खलेगी। बुमराह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं जो खेल के किसी भी स्तर पर समान रूप से प्रभावी हैं, खासकर डेथ ओवर में, जो कि पिछले कुछ समय से टीम इंडिया की सबसे बड़ी परेशानी है। भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल पावरप्ले की जिम्मेदारी बखूबी संभाल सकते हैं लेकिन वे स्लॉग ओवरों में उतने प्रभावी नहीं हैं।

**क्या आप जानते हैं ?...** क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

# भारत ने द. अफ्रीका को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला जीती

## फिरकी में फंसी दक्षिण अफ्रीका, कुलदीप यादव ने लिये चार विकेट

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत ने स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल की 49 रन की पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को तीसरे एकदिवसीय मैच में मंगलवार को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 99 रन पर सिमट गयी, जिसके बाद भारत ने 100 रन का लक्ष्य 19.1 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। भारत की ओर से स्पिनरों ने दर्शनीय प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट झटके। कुलदीप यादव ने चार विकेट अपने नाम किये जबकि शाहबाज़ अहमद और वाशिंगटन सुंदर ने दो-दो विकेट लिये। इसके अलावा मोहम्मद सिराज ने भी दो विकेट चटकाये।

गिल ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 गेंदों पर आठ चौकों के साथ 49 रन बनाये, हालांकि वह एकदिवसीय क्रिकेट में अपने चौथे अर्द्धशतक से चूक गये और लक्ष्य से सिर्फ तीन रन की दूरी पर आउट हो गये। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने छक्का लगाकर भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और स्पिनर शुरू से ही दक्षिण अफ्रीका पर हावी रहे। सुंदर ने पारी के तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक को छह रन पर चलता किया। मोहम्मद सिराज ने यानेमन मलान (15) और रीज़ा हेंड्रिक्स (03) का विकेट निकाला, लेकिन इसके बाद की पारी पूरी तरह से फिरकी गेंदबाजों के नाम रही। शाहबाज़ ने एडेन मार्करम को नौ रन पर चलता किया, जबकि सुंदर ने कप्तान डेविड मिलर को सात रन पर बोल्ड किया। हेनरिक क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी 42 गेंदों पर चार चौकों के साथ 34 रन बनाकर शाहबाज़ का शिकार हो गये।

कुलदीप (18/4) ने 26वें ओवर में बिना रन दिये ब्योर्न फोर्टिन और आनरिक नॉर्खेया का विकेट निकाला। दक्षिण अफ्रीका के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके और मार्को जैनसेन (14) का विकेट गिरने के साथ प्रोटियाज की पारी को 27.1 ओवर में 99 रन पर समाप्त हुई। यह दक्षिण अफ्रीका का भारत के खिलाफ सबसे छोटा और एकदिवसीय क्रिकेट में उनका चौथा सबसे छोटा स्कोर है। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज़ शुरुआत की और गिल ने शिखर धवन के साथ पहले विकेट के लिये छह ओवर में 42 रन जोड़े। धवन हालांकि आठ रन के निजी स्कोर पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गये।

# पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में थाईलैंड

### बंगलादेश और यूएई के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने पर मिला फायदा

सिलहेट, 11 अक्टूबर। थाईलैंड ने बंगलादेश और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद मंगलवार को पहली बार महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बंगलादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये मंगलवार को यूएई के खिलाफ टी20 मुकाबले में जीत दर्ज करनी थी। वह अंक तालिका में चौथे नंबर पर विराजमान थाईलैंड से दो अंक पीछे थे, हालांकि उनका नेट रन रेट ज्यादा था।

यदि बंगलादेश यह मुकाबला जीत जाती तो वह रन रेट के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना लेती, लेकिन लगातार बारिश के कारण मैच को एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। गौरतलब है कि थाईलैंड ने महिला एशिया कप 2022 में अपने अभियान की शुरुआत बंगलादेश के खिलाफ हार के साथ की थी, जबकि अपने आखिरी मुकाबले में उन्हें भारत के हाथों परास्त मिली थी। इसके बावजूद थाईलैंड ने पाकिसतान, यूएई और मलेशिया के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

# दीप्ति ने टी-20 में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

दुबई, 11 अक्टूबर। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी रैंकिंग के अनुसार दीप्ति ने टी20 महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 724 पॉइंट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है।

उन्होंने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ तीन जबकि बंगलादेश और थाईलैंड के खिलाफ दो-दो विकेट हासिल किये, जिससे वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार तीसरे पायदान पर आई हैं। इसके अलावा उन्होंने टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ऐशले गार्डनर को पछाड़कर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि बल्लेबाजों की रैंकिंग में वह 35वें पायदान पर आ गयी हैं।

इसी बीच, दीप्ति की हमवतन रेणुका सिंह (तीन पायदान चढ़ कर आठवीं रैंकिंग पर), स्नेह राणा (30 पायदान चढ़ कर 15वीं रैंकिंग पर) और पूजा वस्त्राकर (सात पायदान चढ़ कर 28वीं रैंकिंग पर) ने टी20 गेंदबाजों की सूची में बढ़ त हासिल की है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जेमिमाह रॉड्रिगेज़ दो पायदान चढ़ कर छठे स्थान पर आ गयी हैं। भारत के खिलाफ 37 गेंदों पर नाबाद 56 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली पाकिस्तान की ऑलराउंडर निदा डार पांच पायदान चढ़ कर 39वीं रैंक पर पहुंच गयी हैं। वह ऑलराउंडरों की सूची में भी एक पायदान ऊपर चढ़ कर सातवां स्थान हासिल कर चुकी हैं।

# न्यूज़ीलैंड ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च, 11 अक्टूबर। न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया है। फिन एलेन की 62 रन की पारी और डेवोन कॉन्वे के नाबाद 49 रनों की मदद से न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के 131 रन के लक्ष्य को एक विकेट खोकर और 23 गेंद बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। यह कीवियों की टी20 त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान के खिलाफ पहली जीत है। इससे पहले स्पिनरों की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मेजबान टीम ने पाकिस्तान को 130 के स्कोर पर ही रोक दिया था पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए जबकि न्यूजीलैंड के लिए सैंटनर-साउथी और ब्रेसवेल ने 2-2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड इस जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई। पाकिस्तान दूसरे नंबर पर है। दोनों के 4-4 अंक हैं। न्यूजीलैंड की इस जीत में उसके ओपनर्स फिन एलन और डेवोन कॉनवे और 31 साल के स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने अहम भूमिका निभाई। माइकल ब्रेसवेल ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, फिन एलन और डेवोन कॉनवे ने करीब 150 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके।


राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर

email-eemhswm@gmail.com फोन नं. 07462-233169

क्रमांकः 782 दिनांकः-01.10.2022

ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 27/2022-23

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के जिला सवाई माधोपुर एवं बूंदी में विभिन्न स्थानों पर रू 1600.50 लाख के 41 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

MHS2223WSOB03813, MHS2223WSOB03814, MHS2223WSOB03815,
MHS2223WSOB03816, MHS2223WSOB03817, MHS2223WSOB03818,
MHS2223WSOB03819, MHS2223WSOB03820, MHS2223WSOB03821,
MHS2223WSOB03822, MHS2223WSOB03823, MHS2223WSOB03824
MHS2223WSOB03825, MHS2223WSOB03827, MHS2223WSOB03828,
MHS2223WSOB03829, MHS2223WSOB03830, MHS2223WSOB03831,
MHS2223WSOB03832, MHS2223WSOB03833, MHS2223WSOB03834,
MHS2223WSOB03835, MHS2223WSOB03836, MHS2223WSOB03837
MHS2223WSOB03838, MHS2223WSOB03839, MHS2223WSOB03840,
MHS2223WSOB03841, MHS2223WSOB03842, MHS2223WSOB03843,
MHS2223WSOB03844, MHS2223WSOB03845, MHS2223WSOB03846,
MHS2223WSOB03847, MHS2223WSOB03848, MHS2223WSOB03849
MHS2223WSOB03850, MHS2223WSOB03851, MHS2223WSOB03852,
MHS2223WSOB03853, MHS2223WSOB03854

DIPR/C/12967/2022


# आईपीएल ने आत्मविश्वास दिया : कुलदीप

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। भारत के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव ने मंगलवार को कहा कि आईपीएल 2022 ने उन्हें आत्मविश्वास दिया है और उनके नियमित प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुलदीप ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 18 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि तीन मैचों की शृंखला में उन्होंने कुल छह विकेट हासिल किये। कुलदीप ने मैच के बाद कहा, मुझे आईपीएल से आत्मविश्वास मिला है। मैं उसके बाद कुछ समय के लिये दोबारा चोटठास्त हुआ था, लेकिन मैंने वेस्ट इंडीज़ दौरे पर, ज़िमबाब्वे दौरे पर और भारत-ए के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला।

# टी-20 विश्व कप के लिये ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे शाहीन शाह

क्राइस्टचर्च, 11 अक्टूबर। पाक के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी अपने रिहैब कार्यक्रम से गुजरने के बाद शनिवार, 15 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल होंगे। पीसीबी ने घोषणा करते हुए बताया कि शाहीन 17 और 19 अक्टूबर को होने वाले अभ्यास मैचों में चयन के लिये उपलब्ध होंगे। इन मैचों के दौरान टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस का आंकलन करेगी। शाहीन लंदन के क्रिस्टल पैलेस फुटबॉल क्लब में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निगरानी में रिहैब से गुजर रहे थे। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच जुलाई में खेली गयी टेस्ट सीरीज के दौरान उनकी दाहिने घुटने में चोट आई थी, जिसके कारण वह एशिया कप 2022 में भी नहीं खेल सके थे।

# चंडीगढ़, नागालैंड सुब्रतो कप फाइनल में

नयी दिल्ली, 11 अक्टूबर। राजकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय (चंडीगढ़) ने लेमेट की हैट्रिक की बदौलत सुब्रतो कप अंडर-17 बालक सेमीफाइनल में 10-2 जिला स्कूल (झारखंड) को 5-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। चंडीगढ़ का सामना फाइनल में गुरुवार को पिलठिाम उच्च माध्यमिक विद्यालय (नागालैंड) से होगा, जो सेमीफाइनल में सीटी हायर सेकेंडरी स्कूल (मणिपुर) को 3-1 से हराकर आ रहा है।


OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
P.H.E.D DISTT. DN. SOUTH BARMER

Phone No. 02982- 220482 E-mail: eesouthbmr@gmail.com
No:E.E./PHED/S/2022-23/3404-14 Date : 04/10/2022

NIT No.- 2022-23/34
(NIB Code -PHE2223A3790)

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from contractors enlisted "AA "A" "B" and "C" Class contractors with the PHED Rajasthan and meeting eligibility criteria, Contractors enlisted with other Departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal, Telecom, Railway, MES, other state Govt. /Central Govt. undertaking/ organizations equivalent in Rajasthan meeting eligibility criteria may apply after giving prescribed Earnest Money. The tender documents can be downloaded from the web site eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in Details of this tender notification and pre-qualification criteria can also be seen In NIT exhibited on web site. www.dipronline.org.

| S. N. | Unique Bid Number | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (राशि लाखो मे) | धरोहर राशि | कार्य अवधि | निविदा की प्राप्ती तिथि (देय तिथि) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | PHE2223WS0B 07674 | Construction and commissioning of open well at Hukam Singh ki dhani village & GP Kelnor | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 2 | PHE2223WSOB 07675 | Construction and commissioning of open well at Sutharo ki dhani Village Kalyanpur GP Kelnor | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 3 | PHE2223WSOB 07676 | Construction and commissioning of open well at Nimbsingh ki dhani near Gadara road GP Kelnor | 19.10 | 38200 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 4 | PHE2223WSOB 07679 | Construction and commissioning of open well at Balacho ki Basti Village & Gp Aarabi ki gafan | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 5 | PHE2223WSOB 07682 | Construction and commissioning of open well at Musalamano ki Dhani (near Khanu ki dhani) Village and Gp Aarabi ki gafan | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 6 | PHE2223WSOB 07684 | Construction and commissioning of open well at Laxman Meghwal ki dhani Village Majnani & Gp Aarabi ki gafan | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 7 | PHE2223WSOB 07685 | Construction and commissioning of open well at Rajoni Bhilo ki dhani (Janak Singh ki dhani) Village and Gp Kelnor | 16.50 | 33000 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 8 | PHE2223WSOB 07687 | Construction and commissioning of open well at Samejo ki dhani (Subhan ki dhani) Village and GP Jaisar | 19.60 | 39200 | 6 माह | 27.10.2022 |
| 9 | PHE2223WSOB 07689 | Repairing work of various pump room office etc Under south Dn. Barmer | 12.00 | 24000 | 3 माह | 27.10.2022 |
| 10 | PHE2223WSOB 07695 | Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn Dhanau | 7.00 | 14000 | 2 माह | 27.10.2022 |
| 11 | PHE2223WSOB 07696 | Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn Chohtan | 7.00 | 14000 | 2 माह | 27.10.2022 |
| 12 | PHE2223WSOB 07697 | Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn. Dhorimana | 7.00 | 14000 | 2 माह | 27.10.2022 |
| 13 | PHE2223WSOB 07698 | Supply of lowering unlowering machine in various sources under Sub. Dn. Gudamalani | 7.00 | 14000 | 2 माह | 27.10.2022 |

(Deeparam)
Executive Engineer
PHED Distt. Dn. South Barmer

DIPR/C/13015/2022



जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी
अक्टूबर-2022 (II)

91 भूखण्ड/दुकान/गोदाम

13 व्यावसायिक भूखण्ड

03 न्यू आतिश मार्केट विस्तार खसरा नं. 66, 73 व 74 ग्राम-सुखालपुरा, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2018/847
02 गिरधारीपुरा योजना, ब्लॉक-ए, जयपुर
02 एपीजे अब्दुल कलाम नगर, जयसिंहपुरा बास भांकरोटा, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2020/1293
06 निजी खातेदारी योजना, जयपुर (दी प्लेटिनम सिटी) RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1905

51 आवासीय भूखण्ड

03 हीरा लाल शास्त्री नगर योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2020/1297
14 अनुपम विहार योजना, जयपुर
19 रोहिणी नगर फेज-I योजना, जयपुर
05 राजारामपुरा योजना, जयपुर
02 सिद्धार्थ नगर योजना, ई-ब्लॉक, जयपुर
01 रामनगरिया विस्तार योजना, जयपुर
02 आनंदलोक योजना, जयपुर
04 रजत विहार योजना, जयपुर
01 विद्याधर नगर, सेक्टर-4, जयपुर

14 दुकान भूखण्ड

06 ऑटो मोबाईल शॉप ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-बी), जयपुर
03 ऑटो मोबाईल शॉप ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-सी), जयपुर
02 विद्याधर नगर योजना सेक्टर-4, जयपुर
02 विद्याधर नगर योजना सेक्टर-6, ब्लॉक-1, जयपुर
01 न्यू आतिश मार्केट, गोपालपुरा बाइपास, जयपुर

03 निर्मित दुकान

02 अण्डरपास (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर), जयपुर
01 मुरलीपुरा योजना, जयपुर

02 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड

02 रिंग रोड़ प्रोजेक्ट (कानडवास), जयपुर

02 सर्विस यार्ड

02 सर्विस यार्ड (टाईप-बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़ जयपुर

06 गोदाम

06 ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड़, (टाइप-बी) जयपुर

राज. संवाद/सी/2022-23/8897

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462 569 696
रेरा वेबसाईट: http://rera.rajasthan.gov.in

नीलामी की नियम व शर्तो के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट
www.jda.urban.rajasthan.gov.in

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

# सचिन पायलट टोंक पहुंचे, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

*पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता अकबर खान ने 51 किलो की माला पहनाकर पायलट का जोरदार स्वागत किया।*

## सचिन पायलट ने टोंक के गांवों का दौरा किया और अतिवृष्टि से नष्ट फसलों का जायजा लिया

- **सचिन पायलट ने किसानों से बात की और कहा कि, समय रहते और जल्द से जल्द किसानों को मुआवज़ा दिलाया जाएगा।**
- **जिला कलैक्टर और एस.पी. सहित सभी आला अधिकारी मौजूद थे।**

टोंक, 11 अक्टूबर (निसं)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और टोंक विधायक सचिन पायलट देर रात्रि झालावाड़ से टोंक पहुँचे, पायलट ने टोंक सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। सुबह सर्किट हाउस में ही जनसुनवाई की और अधिकरियों की बैठक भी ली। पायलट के टोंक आगमन पर रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन राष्ट्रीय संयोजक अकबर खान ने उनका 51 किलो की माला पहनाकर अभिनन्दन किया।

इसके बाद पायलट ने अपनी टोंक विधानसभा क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों का दौरा कर अतिवृष्टि से नष्ट हुई फसलों का जायजा लिया और किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया। पायलट ने इस दौरान ग्राम ठीकरिया, अरनिया तिवाडी, अरनिया केदार, कारीरिया, बालापुरा, देवपुरा व सोरण सहित आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का भ्रमण किया और किसानों से बात की। इस दौरान किसानों ने अपनी नष्ट हुई फसलों की जानकारी दी। पायलट ने जिला कलैक्टर चिन्मयी गोयल सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पायलट ने किसानों से कहा कि उन्हें अपनी फसलों का मुआवजा जल्द से जल्द और समय रहते मिलेगा।

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने बताया कि किसानों की खड़ी फसलें ही नहीं, कटी फसलें भी खराब हो गई हैं। उनके पास चारे का भी साधन नहीं बचा है। सभी की जल्द गिरदावरी करा सभी तरह से किसानों को आर्थिक मदद मिले ये हमारी कोशिश रहेगी। उन्होंने कहा कि "टोंक जिलें में ही नहीं हाड़ौती के जिलों में भी अतिवृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। इससे बुआई का समय भी निकल रहा है, खाद व डीएपी की भी किल्लत है। इसके लिए कृषि मंत्रालय में बात की है। खाद व डीएपी की मात्रा को भी बढ़ाएंगे।" उन्होंने कहा कि "इस मुश्किल घड़ी में मैं किसानों के साथ खड़ा हूँ। क्लेम के लिए किसान ऑफ लाइन भी लिखित में दे सकते हैं, 72 घंटे के भीतर उनकी शिकायत रजिस्टर्ड करवाई जाएगी। जिला कलैक्टर को इसके लिए निर्देशित किया है। पूरी ताकत के साथ हम किसानों के साथ खड़े है।"

इस मौके पर जिला कलैक्टर चिन्मयी गोपाल, टोंक एसपी मनीष त्रिपाठी, एसडीएम टोंक गिरधर, तहसीलदार रामधन गुर्जर, कृषि विभाग टोंक के उपनिदेशक राधेश्याम मीणा, मदरसा बोर्ड के सदस्य सऊद सईदी, निवर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मण गाता, नगर परिषद टोंक के सभापति अली अहमद, उपसभापति बजरंगलाल वर्मा, सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, शिवजीराम मीणा, फौजूराम मीणा आदि मौजूद थे। पायलट का ग्राम शिवपुरी, ठिकरिया, अरनिया केदार, करीरिया के ग्रामीणों ने स्वागत किया तथा अपनी समस्या बताई। इस अवसर पर सचिन पायलट ने ग्राम अरनिया तिवाडी, बालापुरा में खेतों में जाकर फसल खराबे की जानकारी ली।

# मुलायम के जाने के बाद सपा का विभाजन रूक सकेगा?

## शिवपाल, आजम खान व मायावती मिलकर मुलायम सिंह की विरासत पर कब्जा कर लेंगे?

- **मुलायम सिंह ने अपने जीवन काल में अपने पुत्र अखिलेश को उत्तराधिकारी घोषित तो कर दिया था। पर अब ऐसा प्रचार हो रहा है कि, अखिलेश के कामकाज से स्वयं मुलायम भी थोड़ा खिन्न थे, अपने अंतिम दिनों में। शिवपाल व उनका समूह, जिसमें आज़म खान व अमर सिंह भी थे, एक समय प्रचारित करने लगे थे कि, जिस जल्दबाजी से मुलायम सिंह को सपा के अध्यक्ष पद से हटाया गया व मुलायम सिंह के पुराने साथियों को घर भेजा गया, उससे अखिलेश औरंगज़ेब हो गये हैं।**
- **बहरहाल, अखिलेश के समक्ष इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती होगी मैनपुरी संसदीय सीट पर सपा का कब्जा बरकरार रख सकें।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। मुलायम सिंह यादव के युग के अवसान के साथ ही, समाजवादी पार्टी एक बार फिर विरासत के युद्ध की तरफ बढ़ती प्रतीत हो रही है। ऐसी अपेक्षा की जा रही है कि समाजवादी पार्टी के इस स्वर्गीय संस्थापक एवं दिग्गज नेता के भाई शिवपाल यादव पार्टी को तोड़ने का पूरा-पूरा प्रयास कर सकते हैं। उनकी तमाम स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों तथा पिछली तीन साल में सक्रिय राजनीति को अलविदा कह देने के बावजूद, मुलायम की मौजूदगी मात्र से ही यह तो सुनिश्चित था ही कि पार्टी के प्रथम परिवार के प्रतिद्वंदी गुटों के बीच एक हद तक सामान्य शिष्टाचार बना रहेगा। जहाँ उत्तराधिकार का मुद्दा मुलायम के जीवन-काल में ही अखिलेश यादव के पक्ष तय हो गया था, वहीं जो स्थिति उभर कर सामने आई थी, उसमें सपा-संस्थापक स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहे थे। वस्तुत:, अखिलेश ने अपने पिता को सपा के अध्यक्ष पद से हट जाने के लिये बाध्य कर दिया था तथा बहुत से पुराने दिग्गजों, जिनमें आज़म खान, शिवपाल तथा स्व. अमर सिंह भी शामिल थे, को दरकिनार कर दिया था। अखिलेश के कार्यों ने उन्हें औरंगज़ेब का प्रतिरूप बना दिया था, जिसने सम्राट बनने के लिये अपने पिता को कैद कर दिया था।

ऐसी संभावना दिखाई दे रही है कि शिवपाल गुट आगामी सप्ताहों तथा महीनों में इस पूरे घटनाक्रम का लाभ लेना चाहेगा।

ऐसी चर्चा है कि शिवपाल, आज़म तथा मायावती की तिकड़ी अखिलेश के नेतृत्व वाले अधिकृत सपा गुट को चुनौती देने के लिए एकजुट होने की कोशिश में हैं।

ऐसे समय पर, जब नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित भाजपा, सपा के पुराने गढ़ों में उसे खत्म करने में जुटी हुई है, अखिलेश के सामने पहली और बहुत बड़ी चुनौती यह होगी कि वे मैनपुरी लोकसभा को बरकरार रखें, जो उनके पिता के पास रही थी। मुलायम 10 बार विधायक तथा 7 बार सांसद रहे थे। इस सात अवसरों में वे पाँच बार मैनपुरी लोकसभा सीट से ही जीते थे। जिस बार वे चुनाव नहीं लड़े थे, सपा प्रत्याशी इस सीट से जीता था। यही स्थिति उन अन्य चुनाव क्षेत्रों में भी रही, जो सपा का गढ़ मानी जाती थीं। इस साल आज़मगढ़, जो सपा का गढ़ माना जाता है, सीट के लिये उपचुनाव में, भाजपा के दिनेश लाल यादव ने यह सीट सपा से छीन ली थी। कन्नौज, जो सपा का एक अन्य गढ़ मानी जाती थी तथा जिसका प्रतिनिधित्व मुलायम, अखिलेश एवं डिम्पल यादव ने भी किया था, 2019 से भाजपा के पास है।

2019 में, यहाँ से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत ठाकुर ने डिम्पल यादव को हराया था। सम्भल भी परम्परागत रूप से सपा का गढ़ रहा था, लेकिन यहाँ भी सपा की पकड़ कमजोर हो गई तथा 2009 में शफीकुर रहमान बर्क, जो उस समय बसपा प्रत्याशी थे, ने यह सीट सपा से छीन ली थी इस बीच, सपा रामपुर लोकसभा सीट भी हार गई है, जिस पर आज़म खान 2019 में जीते थे। ऐसी पाँच सीटों, जिन पर 2019 में सपा जीती थी, में से वह दो सीटें- आज़मगढ़ और रामपुर हार चुकी है। मुलायम की मृत्यु के साथ ही लोकसभा में सपा सांसदों की संख्या 5 से घटकर 2 रह गई है।

# प्रधानमंत्री ने 900 मीटर में बना भव्य महाकाल कॉरीडोर राष्ट्र को समर्पित किया

- **उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में बने इस भव्य परिसर में 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज स्वयं महाकाल विराजमान हैं।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर के गर्भगृह में बैठकर करीब आधे घंटे पूजा-साधना की।**

उज्जैन, 11 अक्टूबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में बनाए गए आध्यात्म और तकनीकी के अद्भुत संगम महाकाल लोक परियोजना के पहले चरण का लोकार्पण करते हुए इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

मोदी ने लगभग 900 मीटर लंबे भव्य महाकाल लोक के प्रवेश द्वार नंदी द्वार पर रक्षा सूत्र से बनाए गए शिवलिंग का रिमोट दबा कर लोकार्पण किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मोदी परिसर में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ कुछ देर टहले। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान उन्हें लगातार महाकाल लोक के बारे में जानकारी देते हुए दिखाई दिए।

पैदल चलते हुए मोदी महाकाल लोक परिसर में बनाए गए त्रिपुरासर संहार के दृश्य, सप्तर्षि मंडल परिसर, नवग्रह परिसर और रूद्रसागर के समीप भी गए। हर स्थान पर प्रधानमंत्री विशेष रुचि लेकर यहां के विहंगम और नयनाभिराम दृश्यों का अवलोकन करते दिखाई दिए।

इसके बाद मोदी परिसर की सैर के लिए इलेक्ट्रिक वाहन में सवार हुए। इसी वाहन के माध्यम से उन्होंने पूरे महाकाल लोक की सैर की। महाकाल लोक में शिवपुराण से जुड़ी बहुत सी कथाएं प्रदर्शित की गईं हैं, जिनके बारे में वहां लगे बार कोड के माध्यम से जानकारी ली जा सकती है। यहां 108 स्तंभ बनाए गए हैं, जिनमें शिव तांडव से जुड़ी जानकारी नक्काशी और भित्ति चित्रों के माध्यम से दी गई है। महाकाल लोक बुधवार से श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकाल को बारंबार प्रणाम करते हुए कहा कि, सिंहस्थ के समय में उनके मन में जो विचार आए थे, आज उन्हें मूर्त रूप मिल गया है।

मोदी ने महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद एक आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले सिंहस्थ के समय में उन्हें महाकालेश्वर भगवान का बुलावा आया। उन्होंने बेहद विनम्र लहजे में कहा कि, महाकाल का बुलावा आए तो बेटा आए बिना कैसे रह सकता था। उन्होंने कहा कि, उस दौरान उनके मन में लगातार मंथन का दौर चल रहा था। उसी मंथन में एक विचार इस कल्पना का भी आया था। उस समय का भाव आज चरितार्थ हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकालेश्वर और उज्जयिनी नगरी की महिमा बताते हुए कहा कि यहां 84 शिवलिंग, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्ट मातृका, नवग्रह, 10 विष्णु, 11 रूद्र, 12 आदित्य, 24 देवियां और 88 तीर्थ हैं, जिनके केंद्र में राजाधिराज महाकाल विराजमान हैं।

## 4.2 करोड़ लोगों ने आर.टी.आई. का इस्तेमाल किया

- **ट्रांसपरैंसी इंटरनैशनल की रिपोर्ट के अनुसार आर. टी. आई. के जरिये सबसे ज्यादा सूचनायें केन्द्र सरकार से मांगी गई हैं।**

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (वार्ता)। सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 2005 से अब तक कुल 4.2 करोड़ लोगों ने सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सूचनाएं प्राप्त करने के लिए आर.टी.आई. अधिनियम का इस्तेमाल किया है। देश में सूचना का अधिकार दिवस 12 अक्टूबर को मनाया जाता है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनैशनल इंडिया की इस छठी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान देश के सूचना आयोगों के समक्ष अब तक करीब 26 लाख द्वितीय अपील एवं शिकायत दर्ज की गयी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय और राज्य स्तरीय सूचना आयोगों में कुल 165 पदों में दो मुख्य सूचना आयुक्त सहित 42 पद रिक्त हैं।

टी.आई.आई. द्वारा मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार राज्यवार सूचना के अधिकार के प्रयोग में सबसे ज्यादा सूचनाएं केंद्र सरकार और उसके संगठनों से मांगी गयी हैं। इसके बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं केरल का स्थान है।रिपोर्ट के अनुसार आर.टी.आई. के तहत केन्द्र के बाद जिन सरकारों से सबसे ज्यादा जानकारियां मांगी गयीं।

## बार चुनाव का रास्ता साफ

- **हाई कोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया के आदेश पर लगाई रोक।**

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने देश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के गत तीन अक्टूबर के राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव पर रोक लगाने के आदेश पर रोक लगा दी है। ये चुनाव 18 नवम्बर को होने है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में बी.सी.आई., बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बी.सी.आई. में याचिका दर्ज करने वाले सुमेर सिंह ओला को नोटिस जारी कर पांच सप्ताह में जवाब तलब किया है।

जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव और अध्यक्ष पद के प्रत्याशी प्रहलाद शर्मा व रोहन जैन सहित अन्य की याचिका पर दिए तथा स्पष्ट किया कि प्रस्तावित चुनाव में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय गाइडलाइन की कठोरता से पालना की जाए। याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने बताया है कि, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गत नौ सितंबर को वार्षिक चुनाव 18 नवम्बर को करवाने का आदेश दिया था। बी.सी.आई. सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय, "वन बार वन वोट" के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने की शंका मात्र के आधार पर चुनावों पर रोक लगा दी, जबकि अभी तक सिर्फ चुनाव की तिथि ही तय हुई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि, बी.सी.आई. को बार एसोसिएशन के चुनावों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है और पूर्व में भी हाईकोर्ट ने बार काउन्सिल आफ राजस्थान के चुनाव पर रोक के बी.सी.आई. के फैसले को रद्द किया था।

# हिन्दी की खिलाफत दक्षिण भारत की राजनीति का आधार बनेगी आगामी चुनावों में?

## तमिलनाडू के मुख्यमंत्री स्टालिन ने गृह मंत्रालय के आधीन भाषा के मसले पर गठित संसदीय समिति की रिपोर्ट को आधार बनाकर केन्द्रीय सरकार व भाजपा को काफी खरी-खोटी सुनायी और धमकी भी दे डाली कि, भाजपा का भी वही हश्र होगा जो कांग्रेस का 1960 के दशक में हुआ था, दक्षिण के हिन्दी विरोधी आंदोलन के कारण

- **मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, हिन्दी को उच्च शिक्षा में पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम होना चाहिये। उच्च शिक्षा का मतलब, आई.आई.टी., आई.आई.एम., केन्द्रीय विश्वविद्यालयों व एम्स से है।**
- **स्टालिन के अनुसार इससे दक्षिण भारत के लोग देश में सैकण्ड क्लास नागरिक हो जायेंगे।**
- **केन्द्रीय सरकार का यह कदम संविधान के भी खिलाफ होगा, क्योंकि संविधान में सभी क्षेत्रीय भाषाओं से बराबर का बर्तव करने की व्यवस्था प्रदत्त की गई है।**
- **"हिन्दी को अंग्रेजी की जगह बिठाने से हिन्दी भाषी लोगों को नाजायज लाभ मिलेगा।"**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केन्द्र सरकार पर भाषा के मुद्दे पर फूट डालने वाला एजेंडा अपनाने का आरोप लगाते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि इस कोशिश को बंद करें, जो देश की एकता को नुकसान पहुँचा सकती है।

हाँ, अगर आई.आई.टी., आई.आई.एम. एम्स तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों जैसी ऊँचे पढ़ाई की भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने की केन्द्र की कथित कोशिश के संबंध में मीडिया रिपोर्ट की बात करें तो भाषा का मुद्दा सचमुच तथा सोच-समझकर 2024 के लोकसभा चुनावों की खातिर शुरू किया गया है।

सरकार के खुले इरादों, जो गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में निहित हैं, का हवाला देने वाली इस मीडिया रिपोर्ट के चंद घंटे बाद ही तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने सरकार की इस कथित कोशिश पर बड़ा सख्त प्रहार किया।

हाँ, तो यह भाषाई युद्ध सचमुच शुरू हो गया है तथा इसकी चिनगारियाँ आम चुनाव की तैयारियों के दौरे तक पहुँचेगी। हिन्दी को देश की साझा भाषा के रूप में "थोपने" तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा हिन्दी को एक सामान्य भाषा के रूप में अपनाने के खिलाफ तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन मजबूती से खड़े हो गये हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र की इस चेष्टा से दक्षिण भारतीय लोग दोयम दर्जे के नागरिक बन कर रह जायेंगे।

मीडिया के एक वर्ग में प्रकाशित इस रिपोर्ट पर, चेन्नई में जारी किये गये एक कठोर बयान के अंतर्गत तमिलनाडू के मुख्यमंत्री ने केन्द्र को राज्य में हुये हिन्दी-विरोधी आंदोलन की याद दिलाई तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे देश में एक और भाषाई युद्ध न भड़काएं।

मीडिया के विभिन्न वर्गों के जरिये सामने आई "पार्लियामैन्ट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" की विषय वस्तु की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए , स्टालिन ने कहा कि अगर यह क्रियान्वित हुई, तो गैर हिन्दी भाषी अपार जनसमूह उसके ही देश में दोयम दर्जे के नागरिकों के रूप में आयेगा।

उन्होंने कहा, "हिन्दी को थोपा जाना भारत की एकता के विरूद्ध है। भाजपा सरकार को अतीत में हुये हिन्दी-विरोधी आंदोलनों से सबक लेना चाहिये।" उन्होंने 1960 के दशक में हुये हिन्दी विरोधी आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि इन आंदोलनों के फलस्वरूप, कांग्रेस राज्य की सत्ता से बेदखल हो गई तथा उसके बाद से, कांग्रेस को राज्य कुछ सीटें पाने के लिये भी इस पर उस द्रविड़ पार्टी पर निर्भर रहना पड़ा है। इस समय, कांग्रेस डी.एम.के. (द्रमुक) पर निर्भर है तथा विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में उसकी गठबंधन पार्टनर है।

उल्लेखनीय है कि द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे ने तमिलनाडू में इकतरफा जीत हासिल की थी तथा 2019 के लोकसभा चुनावों में 39 लोकसभा सीटों में से एक के अलावा सभी सीटें जीत ली थीं। और अगर, इस भावनात्मक मुद्दे को एक बार फिर उसे उपलब्ध करा दिया जाता है, तो इश बात की पूरी-पूरी संभावना है कि डी.एम.के. अपने पूर्ववर्ती प्रदर्शन को 2024 के आम चुनावों में फिर से दोहरा सकती है।

स्टालिन ने ट्वीट किया, "भारत की विविधता को नकारते हुए, हिन्दी थोपने का भाजपा की केन्द्रीय सरकार का कड़ा दबाव एक खतरे की सूचना के रूप में आता दिखाई दे रहा है। "पार्लियामेंट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" के ग्यारहवें खंड में मौजूद प्रस्ताव भारत की आत्म पर सीधा एवं खुला हमला है।"

स्टालिन ने कहा कि एक राष्ट्र, एक भाषा, एक धर्म, एक खाद्य पदार्थ तथा एक संस्कृति को जबरदस्ती लादने की केन्द्र सरकार की मुद्रा भारत की एकता को प्रभावित करेगी। उन्होंने आगे कहा, "केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली "पार्लियामैंन्ट्री कमेटी ऑन ऑफिशियल लैंग्वेज" द्वारा राष्ट्रपति को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में ऐसी सिफारिशें की गई हैं जो भारतीय संघ की एकता-अखंडता के लिये खतरा हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कमेटी ने सिफारिश की है कि आई.आई.टी., आई.आई.एम., ए.आई.आई. एम.एस. (एम्स) केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय विद्यालयों जैसे सभी संस्थानों में निर्देश के माध्यम की भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी प्रयुक्त की जाए।

स्टालिन ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए ध्यान दिलाया कि संविधान की आठवीं अनुसूची में तमिल सहित 22 भाषाएं हैं, जिन्हें समान अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन पैनल ने भारत में समान भाषा के रूप में हिन्दी की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री ने प्रश्न किया कि "ऐसे परिदृश्य में केन्द्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली कमेटी को यह सिफारिश करने की क्या जरूरत पड़ गई कि हिन्दी को भारत की सामान्य भाषा बना दिया जाए।

इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कि केन्द्र सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में अंग्रेजी भाषा के प्रश्न पत्र में हिन्दी को प्राथमिकता क्यों देनी चाहिए, उन्होंने दावा किया कि हिन्दी को अनुचित व पक्षतापूर्ण एडवांटेज देना संविधान की भावना के खिलाफ है और यह अन्य भारतीय भाषाओं के साथ भेदभाव है।

केन्द्र की भाजपा सरकार पर संविधान की नितांत उपेक्षा कर हिन्दी को लगातार थोपने का आरोप लगाते हुए स्टालिन ने कहा कि देश के लिए एक "कॉमन लैंग्वेज" का आदेश देना व्यवहारिक रूप से असंभव है तथा वह यह कहने के समान है कि सिर्फ हिन्दी भाषी ही भारत के संवैधानिक नागरिक हैं और अन्य भाषाएं बोलने वाले लोग देश के दोयम दर्जे के नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्वाभाविक रूप से विभाजनकारी है।"

उन्होंने कहा कि देश का वास्तविक चरित्र- "अनेकता में एकता" है। भारत का चरित्र अनेकता में एकता है, अत: सभी भाषाओं को समान आदर मिलना चाहिए और सभी को अधिकारिक भाषाएं बनाना चाहिए।

स्टालिन ऐसा कहने वाले एक मात्र व्यक्ति हैं, लेकिन इस संदर्भ में वह अंतिम व्यक्ति नहीं होंगे क्योंकि भाषा मुद्दे पर केन्द्र सरकार के प्रकट रूख का दक्षिण भारतीय राज्यों और पश्चिम बंगाल के सामाजिक कार्यकर्ताओं का विरोध सामने आने वाला है। ये तो कुछ नाम भर हैं।

## नया चुनाव चिन्ह

- **शिव सेना का शिंदे गुट अब तक पृथक क्षेत्रीय पार्टी बन गया है, इसे ना केवल अलग नाम मिला है, बल्कि "दो तलवार और ढाल" का चुनाव चिन्ह भी मिला है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को मंगलवार को अन्तत: "दो तलवार और एक ढाल" का चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया और उनकी पार्टी का नाम होगा "बाला साहेबांची शिवसेना"।

ढाल-तलवार पूर्ववर्ती पीपुल्स डैमोक्रेटिक मूवमैंट के लिए आरक्षित था। उसकी वर्ष 2004 में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता रद्द कर दी गई और आगे जाकर उसे 26.12.2016 को सूची से हटा दिया गया था। चुनाव आयोग ने इसे एक स्वतंत्र चुनाव चिन्ह घोषित करते हुए वर्तमान उप चुनाव में उपयोग के लिए शिंदे गुट को आवंटित किया है, लेकिन यह तब ही है, जब तक कि शिव सेना और उसके पूर्व चुनाव चिन्ह के हक के विवाद में कोई अंतिम आदेश पारित नहीं हो जाता। हालांकि शिंदे गुट ने सूर्य बतौर चुनाव चिन्ह मांगा था, पर चुनाव आयोग ने यह मांग नहीं स्वीकार की।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908